Downloaded from www.studiestoday.com

अंक विभाजन F.A.1 - F.A.4

F.A.-1

बहुवैकल्पिक परीक्षा	-	30
श्रुतलेख	-	05
ग्रीष्मावकाश गृहकार्य	-	15
		50

F.A.-2

लिखित परीक्षा	-	30
बहुवैकल्पिक परीक्षा	-	10
क्रियाकलाप	-	10
		50

F.A.-3

लिखित परीक्षा	-	30
बहुवैकल्पिक परीक्षा	-	10
क्रियाकलाप	-	10
		50

F.A.-4

बहुवैकल्पिक परीक्षा	-	25
श्रुतलेख	-	05
नाट्य मंचन	-	10
उत्तर पुस्तिकाएँ	-	05
कविता वचन	-	05
		50

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

वर्तनी के अनुसार शब्द लेख

	पुरानी विधि	नई विधि		पुरानी विधि	नई विधि
1.	विद्यालय	विद्‌यालय	11.	विह्वल	विह्‌वल
2.	विद्यार्थी	विद्‌यार्थी	12.	चिह्न	चिह्‌न
3.	द्वार	द्‌वार	13.	बाह्य	बाह्‌य
4.	बुद्धि	बुद्‌धि	14.	गङ्गा	गंगा
5.	वृद्धि	वृद्‌धि	15.	चञ्चल	चंचल
6.	विद्वान	विद्‌वान	16.	डण्डा	डंडा
7.	लम्बा	लंबा	17.	सम्बन्ध	संबंध
8.	ब्राह्मण	ब्राह्‌मण	18.	प्रसन्न	प्रसन्‍न
9.	चिन्ता	चिंता	19.	पत्ता	पत्‍ता
10.	गद्दी / गद्दियाँ	गद्‌दी / गद्‌दियाँ	20.	छुट्टियाँ	छुट्‌टियाँ

वर्तनी के अनुसार शब्द लेख

	पुरानी विधि	नई विधि
1.	इसलिये	इसलिए
2.	गये	गए
3.	आये	आए
4.	नयी	नई
5.	गयी	गई

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

पत्र लेखन के प्रारूप

क. शिक्षण शुल्क माफ करने के लिए प्रधानाचार्या को प्रार्थना पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांकः 27 जुलाई 2007
सेवा में
प्रधानाचार्या जी
अ ब स विद्यालय
क ख ग नगर
विषय-**शिक्षण-शुल्क माफ करने के लिए पत्र**
महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं ....
....
....।
सधन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
क.ख.ग.
कक्षा - नवी 'अ'

ख. स्वास्थ्य अधिकारी को गली मोहल्ले की गंदगी के बारे में पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांकः 27 जुलाई 2007
सेवा में
स्वास्थ्य अधिकारी
नगर निगम दिल्ली
दिल्ली
विषय- अपने मोहल्ले की सफाई हेतु पत्र
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं ....
....
....।
सधन्यवाद।

भवदीय
क.ख.ग

ग. अपनी भूल के लिए क्षमा माँगते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांकः 27 जुलाई 2007
आदरणीय पिताजी,
सादर चरण स्पर्श
आपका पत्र मिला ....
....
..................................।
आपका आज्ञाकारी पुत्र
क.ख.ग.

घ. अपने मित्र को अपने भाई के विवाह में सम्मिलित होने के लिए निमंत्रण पत्र।

परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांकः 27 जुलाई 2007
प्रिय सखी
सस्नेह नमस्कार।
तुम्हारा पत्र मिला ....
....
..................................।
तुम्हारी सखी
क.ख.ग

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

अद्र्ध वार्षिक परीक्षा (सत्र : - 2012-2013)	**वार्षिक परीक्षा** (सत्र : - 2012-2013)
'वसंत'	**'वसंत'**
1. बाज और साँप	1. पानी की कहानी
2. कबीर की साखियाँ	2. भगवान के डाकिये (कविता)
3. क्या निराश हुआ जाए	3. अकबरी लोटा
4. सुदामा चरित (दोहे)	4. सूरदास के पद
5. कामचोर (कहानी)	5. बस की यात्रा
'बुद्ध चरित'	**'बुद्ध चरित'**
1. आरंभिक जीवन	1. धर्म चक्र प्रवर्तन
2. अभिनिष्क्रमण	2. महापरिनिर्वाण
3. ज्ञान प्राप्ति	
'सचित्र हिन्दी व्याकरण'	**'सचित्र हिन्दी व्याकरण'**
1. भाषा और वर्ण विचार	1. क्रिया (कर्म और संरचना के आधार पर)
2. शब्द विचार, अशुद्धि शोधन (शब्द, वाक्य)	2. अव्यय
3. विलोम शब्द (1.65)	3. मुहावरे (46.90), लोकोक्ति (26.49)
4. उपसर्ग तथा प्रत्यय	4. वाक्य विचार (वाक्य के अंग, अर्थ के आधार पर)
5. विराम चिह्न	5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (सभी)
6. पर्यायवाची शब्द (1.30)	6. विलोम (65.135)
7. अनेकार्थी शब्द (सभी)	7. पर्यायवाची (31.58)
8. विशेषण (भेद सहित)	8. संधि (वृद्धि, यण), समास (भेद सहित)
9. स्वर संधि (दीर्घ, गुण)	9. पत्र (औपचारिक तथा अनौपचारिक)
10. मुहावरे (1.45), लोकोक्ति (1.25)	10. अनुच्छेद लेखन, रचनात्मक लेखन
11. अपठित गद्यांश, पद्यांश	11. अपठित गद्यांश, पद्यांश
12. संवाद लेखन, अनुच्छेद लेखन	12. संवाद लेखन
13. पत्र (औपचारिक तथा अनौपचारिक)	

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

MODULES

Module – 01

वसंतः (1) बाज और साँप

व्याकरणः (1) भाषा तथा वर्ण विचार (2) अपठित गद्यांश

शिक्षण उद्देश्यः

1. जिंदगी के हर खतरे का बहादुरी से सामना कर निडर व साहसी बनना।
2. कहानी के माध्यम से छात्रों में सुनकर समझने की क्षमता का विकास करना।
3. भाषा की आवश्यकता और उसके महत्त्व पर प्रकाश डालना।
4. शुद्ध उच्चारण तथा शुद्ध लेखन क्षमता का विकास करना।
5. अपठित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देने की क्षमता का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः

1. आज मनुष्य उड़ने की इच्छा किन साधनों से पूरी कर सकता है (विषय पर कक्षा में परिचर्चा कराई जाएगी।)
2. शब्द कोश का उपयोग करने की आदत डालना।

Module – 02

वसंतः कबीर की साखियाँ

व्याकरणः (1) शब्द विचार (2) पत्र (अनौपचारिक) (3) अनुच्छेद लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. दोहो का रसास्वादन करने की तथा इसके सस्वर वाचन की क्षमता का विकास।
2. भाषा की सबसे महत्त्वपूर्ण इकाई – वर्णों के विषय में जानना तथा इनके उच्चारण को शुद्ध करना।
3. अनुच्छेद लेखन द्वारा अपने विचारों को सुव्यवस्थित रूप में लिखने की क्षमता का विकास करना।
4. शब्द-भंडार में वृद्धि कर कल्पना-शक्ति का विकास।

रचनात्मक कार्यः

1. वर्णों का सुंदर चार्ट बनाना।
2. कुछ प्रेरक दोहो का संकलन करना।

Module – 03

बुद्ध्चरितः आरंभिक जीवन

व्याकरणः (1) विलोम (2) पर्यायवाची (3) संवाद लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. महात्मा बुद्ध के प्रारंभिक जीवन से परिचित कराना।
2. पाठ के श्रवण – वाचन के समय बीच-बीच में पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देने की क्षमता का विकास।
3. विभिन्न काल्पनिक घटनाओं को आधार मान कर संवाद लिखने की क्षमता का विकास।
4. शब्द भंडार में वृद्धि।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

रचनात्मक कार्यः

1. महात्मा बुद्ध का संपूर्ण जीवन परिचय प्राप्त करना।
2. शब्दकोश का प्रयोग करने का अभ्यास करना।

Module – 04

वसंतः क्या निराश हुआ जाए

व्याकरणः (1) उपसर्ग, प्रत्यय (2) अपठित पद्यांश (3) अनुच्छेद-लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. जीवन में आशावादी दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करना।
2. जीवन में सच्चाई, ईमानदारी जैसे सद्गुणों का विकास करना।
3. अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना।
4. शुद्ध लेखन क्षमता का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः

1. 'भारत का भविष्य उज्ज्वल किस प्रकार बना सकते है।' विषय पर कक्षा में वाद-विवाद करना।
2. शब्द भंडार में वृद्धि करना।

Module – 05

वसंतः सुदामा चरित (दोहे)

व्याकरणः (1) अशुद्धि शोधन (शब्द तथा वाक्य) (2) अपठित गद्यांश

शिक्षण उद्देश्यः

1. मानव जीवन में सदैव मित्रता का निर्वाह करने की प्रेरणा देना।
2. सच्ची मित्रता के लक्षणो से परिचित कराना।
3. अपने विचारों को क्रमबद्ध तथा सुव्यवस्थित रूप व शुद्ध लेखन लिख सकने की क्षमता का विकास करना।
4. अपठित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर स्वयं लिखने के लिए प्रेरित करना।

रचनात्मक कार्यः

1. कुछ प्रेरक दोहों का संकलन कीजिए।
2. सच्ची मित्रता के विषय से संबंधित कहानियों का संकलन करना।

Module – 06

बुद्धचरितः अभिनिष्क्रमण

व्याकरणः (1) विराम चिह्न (2) अनेकार्थी शब्द (3) पत्र (औपचारिक)

शिक्षण उद्देश्यः

1. राजकुमार सिद्धार्थ के जीवन में आए परिवर्तनों के कारणों से परिचित कराना।
2. शब्द-भंडार में वृद्धि करना।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

3. विराम-चिह्नों का उचित स्थान पर उचित ढंग से प्रयोग करना।
4. सरल भाषा में विचाराभिव्यक्ति की क्षमता का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः

1. विभिन्न पत्र - पत्रिकाओं में प्रकाशित, राजनैतिक तथा सामाजिक विषयों पर लेख व अनुच्छेद पढ़ना।
2. 'बुरे फँसे' विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

Module – 07

वसंतः कामचोर (कहानी)

व्याकरणः (1) विशेषण (भेद सहित) (2) रचनात्मक लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. कहानी द्वारा कर्म और परिश्रम का महत्त्व समझाना।
2. भाषा के मनोरंजक तथा प्रभावशाली रूप से परिचित कराना।
3. विशेषण शब्दों का पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर उन्हें उपयुक्त रूप से प्रयोग करने की क्षमता का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः

1. 'परिश्रम' या 'काम' से संबंधित पाँच मुहावरों तथा लोकोक्तियो की अर्थ सहित सूची बनाना।
2. विशेषण व उसके भेदों पर एक चार्ट बनाना।

Module – 08

बुद्ध्चरितः ज्ञान प्राप्ति

व्याकरणः (1) स्वर संधि (भेद सहित) (2) संवाद लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. पाठ पढ़कर उसके मुख्य उद्देश्य को समझने की क्षमता का विकास।
2. शब्द निर्माण में संधि की सहायता लेकर नए - नए शब्द बनाना।
3. सरल भाषा में भावों को अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास।

रचनात्मक कार्यः

1. स्वर संधि के भेदों का सुंदर-सा चार्ट बनाना।

Module – 09

अब तक पढ़ी हुई सामग्री का पुनरावलोकन कर परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर लिखने की क्षमता का विकास करना।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

अभ्यास पत्र

Module – 01

बाज और साँप

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

अपनी गुफा में बैठा हुआ साँप सब कुछ देख करता – लहरों का गर्जन, आकाश में छिपती हुई पहाड़ियाँ, टेढ़ी-मेढ़ी बल खाती हुई नदी की गुस्से से भरी आवाज़ें। वह मन ही मन खुश होता था कि इस गर्जन-तर्जन के होते हुए भी वह सुखी और सुरक्षित है। कोई उसे दुख नहीं दे सकता। सबसे अलग, सबसे दूर, वह अपनी गुफा का स्वामी है। न किसी से देना, न किसी से लेना। दुनिया की भाग-दौड़, छीना-झपटी से वह दूर है। साँप के लिए यही सबसे बड़ा सुख था।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम बताइए।
(ख) साँप मन ही मन क्यों खुश हो रहा था?
(ग) साँप किससे दूर था?
(घ) 'गर्जन' शब्द का वर्ण-विच्छेद कीजिए।
(ङ) 'स्वामी' शब्द का विलोम लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए –
(क) साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण क्यो मानता था?
(ख) लेखक ने इस कहानी के लिए बाज और साँप को ही क्यों चुना?
(ग) घायल बाज को देखकर साँप खुश क्यों हुआ होगा?

भाषा तथा वर्ण विचार

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
(क) वह साधन जिसके द्वारा हम अपने मन के विचारों को बोलकर या लिखकर अभिव्यक्त करते हैं, उसे .... कहते हैं।
(ख) भाषा के दो मुख्य रूप हैं .... और ....।
(ग) विचारों को लिखकर प्रकट करने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को .... कहते हैं।
(घ) भाषा के शुद्ध रूप संबंधी नियमों का ज्ञान कराने वाले शास्त्र को .... कहते हैं।
(ङ) .... हमारे देश की राष्ट्रभाषा है।
(च) हिन्दी दिवस .... को मनाया जाता है।

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए –
(क) कृषक (ख) विद्यालय (ग) कर्मठ (घ) आशीर्वाद (ङ) पित्राज्ञा

3. निम्नलिखित वर्णों को मिलाकर शब्द बनाइए –

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(क) अ + त् + य् + अ + ध् + इ + क् + अ =

(ख) स् + अ + ह् + आ + य् + अ + त् + आ =

(ग) श् + अ + क् + त् + इ + म् + आ + न् + अ् =

(घ) द् + ऊ + र् + अ + द् + अ + र् + श् + ई =

4. जब एक रात स्वप्न में मेरी मुलाकात पंडित जवाहर लाल नेहरु से हुई ....। दिए गए विषय के आधार पर रचनात्मक लेखन कीजिए।

अपठित गद्यांश

5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए –

दुनिया के विभिन्न देशों के विकास पर विहंगम दृष्टि डालने से यह स्पष्ट हो जाता है कि आज 'जिस देश ने वैज्ञानिक उपलब्धियों के सहारे अपना औद्योगीकरण कर लिया, उसी को उन्नत देश कहा जाता है। जिस देश में औद्योगीकरण का स्तर नीचा है, वह पिछड़ा हुआ देश कहा जाता है। वैज्ञानिक आविष्कारों और औद्योगीकरण के आधार पर ही किसी देश की प्रगति को आँका जा रहा है। विज्ञान ने मानव को पूरी तरह बदल दिया है।

(क) आज उन्नत देश किसे कहा जाता है ?

(*i*) जिसका औद्योगिकरण का स्तर ऊपर है। (*ii*) पिछड़ा देश (*iii*) अविकसित देश।

(ख) आज किसी देश की प्रगतिशीलता के क्या मानदंड हैं ?

(*i*) वेशभूषा के आधर पर (*ii*) आर्थिक स्तर पर

(*iii*) वैज्ञानिक आविष्कारों व औद्योगिक स्तर पर

(ग) वैज्ञानिक शब्द में प्रत्यय है –

(*i*) निक (*ii*) अक (*iii*) इक

(घ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है।

(*i*) देश-प्रदेश (*ii*) पिछड़ा देश (*iii*) उन्नत देश

(ङ) प्रगति शब्द में उपसर्ग है –

(*i*) प्र (*ii*) पर् (*iii*) प

Module – 02

कबीर की साखियाँ

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

माला तो कर में फिरै, जीभि फिरै मुख माँहि।
मनुवाँ तो दहुँ दिसि फिरै, यह तो सुमिरन नाहिं।।

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

(ख) प्रस्तुत दोहे के माध्यम से कवि ने किसकी आलोचना की है ?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(ग) 'दहुँ दिसि फिरै' पंक्ति का क्या अर्थ है ?
(घ) 'कर' शब्द का हिंदी पर्याय लिखिए ?
(ङ) रेखांकित पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

शब्द विचार

1. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखें –
   (क) शाम (ख) घी (ग) सात (घ) सौ
   (ङ) मक्खी
2. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखें –
   (क) कंटक (ख) वृद्ध (ग) अश्रु (घ) कूप
   (ङ) मयूर
3. निम्नलिखित शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए।
   (क) हेड मास्टर (ख) पार्लियामेंट हाऊस (ग) ड्राइवर (घ) गवर्नर
   (ङ) फ़ीस
4. निम्नलिखित शब्दों में से रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द छाँटिए –
   संकल्प, गिरिधर, यज्ञशाला, दीनबंधु, परिवार, ज्योति, कृषक, प्रजापति, पंकज, नीलकंठ।

अनुच्छेद लेखन

1. निम्नलिखित विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए – 'भ्रष्टाचार एक समस्या'
2. अपने छोटे भाई को 'सत्संगति का महत्त्व' बताते हुए पत्र लिखिए।

Module – 03

बुद्धचरितःआरंभिक जीवन

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
   (क) महामाया की बहन .... जिसे .... भी कहते थे।
   (ख) शुद्धोदन ने पुरोहित .... से परामर्श लेकर .... सांसारिक विषयों की व्यवस्था करवा दी थी।
   (ग) सिद्धार्थ के .... भाई का नाम .... था।
   (घ) महर्षि .... को अनुभूति हुई कि जीवन मृत्यु के चक्र से मुक्त करने वाले .... मुनि ने जन्म ले लिया है।
   (ङ) महामाया .... गणराज्य की .... थी।
2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(क) रानी ने क्या स्वप्न देखा? स्वप्न सुनकर राजा की क्या प्रतिक्रिया हुई?
(ख) सिद्धार्थ को वैराग्य न हो इसके लिए राजा शुद्धोदन ने क्या किया?
(ग) राजकुमार सिद्धार्थ के मन में संवेग की उत्पत्ति के क्या कारण थे?

'विलोम शब्द तथा पत्र लेखन' (औपचारिक)

1. रिक्त स्थानों में रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द भरिए –
(क) आज कक्षा में चालीस छात्र उपस्थित थे तथा दस छात्र .... थे।
(ख) जितनी आय है उतना ही .... करना उचित है।
(ग) महिमा ने गाँव की निरक्षर औरतों को एकत्रित कर .... बनाने का बीड़ा उठाया।
(घ) मैं तुम्हारा ऋणी हूँ, पता नहीं कब इस ऋण से .... होऊँगा।
(ङ) सज्जनों की संगति से उन्नति संभव है, ... की संगति से नहीं।

2. अपने पड़ोस में हुई चोरी की शिकायत करते हुए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।

'पर्यायवाची'

1. अनुपयुक्त शब्दों को काटिए –
(क) ब्राह्मण – दृविज, भूपति, विप्र
(ख) बादल – मेघ, जलधि, वारिद
(ग) आभूषण – ज़ेवर, माला, अलंकार
(घ) संसार – विश्व, देश, दुनिया
(ङ) कमल – पुष्प, जलधि, नीरज

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कोष्ठक में दिए शब्द के उपयुक्त पर्यायवाची से कीजिए –
(क) रावण के दस सिरों की कल्पना की गई है इसलिए उसे .... कहा जाता है। (रावण)
(ख) .... पर सवार राजकुमार की शोभा देखते ही बनती थी। (अश्व)
(ग) कौरवों ने द्रौपदी का भरी सभा में .... हरण किया। (वस्त्र)
(घ) आज संपूर्ण .... भारतीय संस्कृति की महत्ता को स्वीकारता है। (दुनिया)
(ङ) राजा के पीछे – पीछे, राजा के .... चल रह थे। (नौकर)

Module – 04

वसंत – 'क्या निराश हुआ जाए'

1. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
दोषों का पर्दाफ़ाश करना बुरी बात नहीं है। बुराई यह मालूम होती है कि किसी के आचरण के गलत पक्ष को उद्घाटित करके उसमें रस लिया जाता है और दोषोद्घाटन को एकमात्र कर्तव्य मान लिया जाता है। बुराई में रस

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

लेना बुरी बात है, अच्छाई को उतना ही रस लेकर उजागर न करना और भी बुरी बात है। सैकड़ों घटनाएँ ऐसी घटती हैं, जिन्हें उजागर करने से लोक - चित्त में अच्छाई के प्रति अच्छी भावना जगती है।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम बताइए।

(ख) लेखक दोषों का पर्दाफाश करते समय किस बात से बचने के लिए कहता है?

(ग) बुराई में रस लेना बुरी बात है, अच्छाई को उतना ही रस लेकर उजागर न करना और भी बुरी बात है। आशय स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

(क) लेखक को ऐसा क्यों लगता है कि देश में कोई भी ईमानदार व्यक्ति रहीं रह गया?

(ख) कानून को धोखा दिया जा सकता है, धर्म को नहीं। क्यों?

(ग) ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय क्यों समझा जाता है?

(घ) समाचार पत्र में भ्रष्टाचार के प्रति आक्रोश क्या व्यक्त करता है?

उपसर्ग-प्रत्यय

3. दिए गए शब्दों से उपसर्ग व मूल शब्द अलग कीजिए।

(क) अभियान (ख) अत्युत्तम (ग) अपकीर्ति (घ) निष्कपट

(ङ) संवाद

4. निम्नलिखित उपसर्गों को लगाकर नया शब्द बनाइए।

पुनर्, नि, अंतर, दुस्, खुश

5. निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।

(क) मधुरता (ख) बनावट (ग) नमकीन (घ) बिछौना

(ङ) स्मरणीय

6. 'श्रम का महत्व' विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

Module – 05

सुदामा चरित

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ऐसे बेहाल बिजाइन सों, पग कंटक जाल लगे पुनि जोए।
हाय! महादुख पायो सखा, तुम आए इतै न कितै दिन खोए।।
देखि सुदामा की दीन दसा, करुणा करिकै करुनानिधि रोए।
पानी परात को हाथ छुयो नहिं नैनन के जल सो पग धोए।।

(क) कवि तथा कविता का नाम बताइए।

(ख) सुदामा की दशा देखकर कृष्ण ने क्या कहा?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(ग) पद्यांश में से अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण छाँटकर लिखिए।

(घ) स्त्रीलिंग शब्द लिखिए - सखा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

(क) 'घर-घर ओड़त फिरे' यह कथन किसने किसके लिए तथा क्यों कहा?

(ख) सुदामा को कृष्ण के पास किसने और क्यों भेजा?

'अशुद्धि शोधन एवं अपठित गद्यांश'

1. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए।

(क) मित्र सच्चा पथ प्रदर्शक के समान होता है।

(ख) एक दिन हम हॉकी खेलकर आया।

(ग) पानीपत को युद्ध में अब्दाली से मराठा हार गया।

(घ) छात्रावस्था में मित्रता का धुन सवार रहती है।

(ङ) तेरे को मेरे पिताजी ने बुलाया है।

2. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए।

(क) रचईता (ख) श्रृंगार (ग) क्रिपया (घ) आर्शिवाद (ङ) ज्योतसना

3. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

हमारे समाज में बहुत से लोग भाग्यवादी होते हैं और सब कुछ भाग्य के भरोसे छोड़कर कर्म से विरत हो बैठते हैं। ऐसे ही व्यक्ति समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर नहीं होने देते। आज तक किसी भाग्यवादी ने संसार में कोई महान कार्य नहीं किया । बड़ी - बड़ी खोजें, बड़े - बड़े आविष्कार और बड़े - बड़े निर्माण के कार्य श्रम के द्वारा ही संपन्न हो सके हैं। हमारी प्रतिभा हमें प्रेरित कर सकती है, हमारा पथ - प्रदर्शन कर सकती है, जबकि लक्ष्य तक हम कर्म द्वारा ही पहुँचते हैं। जब हम परिश्रम से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं, तो हमारे मन को अलौकिक आनंद मिलता है। ऐसे व्यक्ति के लिए उसका परिश्रम ही उसकी पूजा है। यदि हम अपने कार्य में ईमानदारी से श्रम नहीं करते, तो हमारे मन में एक प्रकार का भय समाया रहता है। कभी-कभी तो हम ग्लानि का अनुभव भी करते हैं।

(क) हमारे समाज में बहुत से लोग कैसे होते है?

(*i*) कर्मठ (*ii*) भाग्यवादी (*iii*) आलसी (*iv*) ईमानदार

(ख) आज तक किसी भाग्यवादी ने संसार में कैसा कार्य नहीं किया?

(*i*) महान कार्य (*ii*) निम्न कार्य (*iii*) साहसी कार्य (*iv*) निर्माण कार्य

(ग) लक्ष्य तक हम कैसे पहुँच सकते है?

(*i*) आलस्य से (*ii*) कर्म से (*iii*) चालाकी से (*iv*) चापलूसी से

(घ) ईमानदारी से श्रम नहीं करने से कैसा अनुभव होता है?

(*i*) भय व ग्लानि (*ii*) अलौकिक आनंद (*iii*) थकान (*iv*) जीत का अनुभव

(ङ) परिश्रम शब्द में उपसर्ग है?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(*i*) अरि (*ii*) पर् (*iii*) परि (*iv*) पर

Module – 06

बुद्‌ध चरित – 'अभिनिष्क्रमण'

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
   (क) सिद्‌धार्थ .... के साथ .... से बाहर निकले।
   (ख) .... की प्रजा शोक के कारण .... हो गई।
   (ग) एक बार सिद्‌धार्थ .... की राजधानी .... के पास पर्वत पर अकेले निवास कर रहे थे।
   (घ) .... नरेश .... अपने रथ पर सवार होकर चल दिए।
   (ङ) ...., ..., ... ही मनुष्य के तीन पुरुषार्थ हैं।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
   (क) सिद्‌धार्थ से अलग होने पर कंथक की क्या दशा हुई ?
   (ख) सिद्‌धार्थ ने अपनी बात पर अटल रहते हुए मगध नरेश से क्या कहा ?
   (ग) सिद्‌धार्थ ने तपस्वी साधकों से क्या कहा ?

अनेकार्थक शब्द तथा संवाद लेखन

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अनेकार्थी शब्द लिखें-
   (क) उत्तर (ख) गुरु
   (ग) वर्ण (घ) दल
   (ङ) फल (च) पर
   (छ) भेद

2. कृष्ण और सुदामा के बीच हुई बातचीत को संवाद लेखन के माध्सम से लिखें।

विराम चिह्न

1. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विराम चिह्न लगाइए।
   (क) क्या तुम फ़िल्मों में अभिनय करोगे
   (ख) माँ ने कहा था यदि तुम परीक्षा में अच्छे अंक लाओगे तो तुम्हें साइकिल लेकर दूँगी
   (ग) मज़दूर क्षमा माँगता रहा मालिक उसे डाँटता रहा
   (घ) सुलेखा ने कहा नहीं मैं तुम्हारे साथ नहीं आ सकती
   (ङ) मैडम आप तो लिखती हैं मेरी ये कविताएँ देखिए कुछ दम है इनमें

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Module – 07

कामचोर

1. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

"या तो बच्चा-राज कायम कर लो या मुझे ही रख लो। नही ंतो मैं चली मायके" अम्मा ने चुनौती दे दी। और अब्बा ने सबको कतार में खड़ा करके पूरी बटालियन का कोर्ट मार्शल कर दिया। "अगर किसी बच्चे ने घर की किसी चीज को हाथ लगाया तो बस, रात का खाना बंद हो जाएगा"

ये लीजिए! इन्हें किसी करवट शांति नहीं। हम लोगों ने भी निश्चय कर लिया कि अब चाहे कुछ भी हो जाए, हिलकर पानी भी नहीं पिएँगे।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम बताइए।
(ख) अम्मा ने गुस्से से क्या कहा?
(ग) अब्बा के डाँटने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया थी?

2. संक्षेप में प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(क) दरी की सफाई करने पर क्या हुआ?
(ख) नौकरों को निकालना क्यों तय हुआ?
(ग) बच्चों के कार्य करने का ढंग कैसा था?

'विशेषण व उसके भेद, रचनात्मक लेखन

1. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण छाँटकर उनके भेदों के नाम लिखिए –
(क) दीन सुदामा कहाँ है? (ख) मैंने उसे सौ रुपये दिए।
(ग) मेरे पिताजी दो किलो आटा लाए। (घ) यह घर मेरे मित्र का है।
(ङ) मीठे फल सबको अच्छे लगते हैं।

2. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए –
(क) धर्म (ख)पुराण (ग)प्यास (घ)भूल
(ङ) कर्म (च)तर्क (छ)उत्साह (ज)नाव

रचनात्मक लेखन

1. निम्नलिखित विषय पर एक रचनात्मक लेख लिखिए –

'छुट्टी के समय आप अपना कुछ सामान कक्षा में भूल गए। वापस लेने कक्षा में गए, जब लौटे तो देखा विद्यालय खाली हो चुका था और आप विद्यालय के गलियारे में अकेले थे। अचानक आपको एक आवाज आई। पीछे मुड़कर देखा –

कोई नहीं था। आपके कदम और तेज हो गए, फिर आवाज आई, फिर कोई नहीं... अचानक सामने एक आकृति दिखाई दी और ....लेख पूरा कीजिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Module – 08

बुद्‌ध चरित – 'ज्ञान प्राप्ति'

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
(क) .... मुनि के आश्रम में सिद्‌धार्थ के प्रवेश से पूरा आश्रम .... हो गया।
(ख) यह संसार .... और .... के चक्र रुप में चलता रहता है।
(ग) कुमार .... का आश्रम छोड़कर राजर्षि .... के .... आश्रम गए।
(घ) कुमार को .... विहार की इच्छा हुई। उन्हें .... नदी के तट पर निवास करना अच्छा लगा।
(ङ) बुद्‌ध की आँखे दो .... के समान .... थीं।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
(क) मार कौन था? उसके पुत्र तथा पुत्रियों के नाम बताइए।
(ख) शाक्य मुनि के बुद्‌धत्व प्राप्त करते ही क्या हुआ?
(ग) नंदबाला कौन थी? बुद्‌ध के खीर सेवन करने पर पाँचों भिक्षुओं ने क्या किया?

स्वर संधि, संवाद लेखन

1. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए और उसका भेद भी बताइए।
(क) स्व+इच्छा (ख) विधु+उदय (ग) विद्‌या+आलय (घ) परम+ओज
(ङ)चे+अन (च) अति+आचार

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए –
(क) राजर्षि (ख) सूक्ति (ग) भवन (घ) पित्राज्ञा
(ङ) योगीश्वर (च) गंगेश्वर

3. बढ़ते हुए प्रदूषण को लेकर दो मित्रों की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

Module – 09

'अर्द्‌ध्वार्षिक परीक्षा के समस्त पाठ्‌यक्रम की पुनरावृत्ति'

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

आदर्श प्रश्न–पत्र

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

समय : 2 घण्टे 30 मिनट — अधिकतम अंक : 80

निर्देश :–

(क) इस प्रश्न–पत्र के चार खंड हैं – 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'

(ख) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ग) यथासंभव प्रश्नों के, उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

नए वर्ष की पूर्वसंध्या पर दिल्ली की सड़कों पर काफी हुड़दंग हुआ। लोग शराब पीकर नशे में खुले आम झूमे और अपरिचितों पर फब्तियाँ कसी। हालाँकि ट्रैफिक के अनेक प्रतिबंध लगाए गए थे लेकिन लोगों ने इसकी कोई परवाह नहीं की। लोगों के जमघट के कारण स्वीकृत रास्तों से भी गाड़ियों को गुजरने में काफी समय लगा। अनेक जगहों पर जाम था। दिल्ली के पुलिस कमिश्नर ने दिन में बताया था कि सड़कों पर शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए उन्होंने पूरी तैयारी कर रखी है पर इंतजाम के बावजूद लोग प्रतिबंधों की धज्जियाँ उड़ाते नज़र आए। उत्सव तो मनाना ही चाहिए, लेकिन मर्यादाहीन तरीके से जश्न मनाना राजधानी के सभ्य नागरिकों को शोभा नहीं देता। क्नॉट प्लेस जैसे केन्द्रीय स्थल पर छेड़खानी की घटनाएँ निश्चय ही चिंता का विषय हैं। सर्वाधिक आपत्तिजनक बात तो यह है कि लोगों ने आधी रात तक तेज धमाके वाले पटाखे जलाए। इतना भी ख्याल नहीं रखा गया कि बीमार और अधिक उम्र के लोगों को परेशानी हो सकती है।

(क) नववर्ष की पूर्वसंध्या पर राजधानी में क्या हुआ? (1)

(*i*) नाच–गाने (*ii*) हुडदंग (*iii*) जूलूस

(ख) किस पर प्रतिबंध लगाए गए थे? (1)

(*i*) बाहर निकलने पर (*ii*) हल्ला करने पर (*iii*) ट्रैफिक पर

(ग) अनेक जगहों पर क्या लगा था? (1)

(*i*) जाम (*ii*) मेला (*iii*) उत्सव

(घ) सभ्य नागरिकों को क्या शोभा नहीं देता? (1)

(*i*) शांति बनाए रखना (*ii*) जश्न मनाना (*iii*) मर्यादाहीन व्यवहार करना

(ङ) राजधानी का केन्द्रीय स्थल है? (1)

(*i*) सीमा पूरी (*ii*) कनाट पैलेस (*iii*) नज़फ़गढ़

(च) बीमार व अधिक उम्र के लोगो को किससे परेशानी हो सकती है? (1)

(*i*) तेज धमाके वाले पटाखे से (*ii*) पूजा पाठ से (*iii*) उत्सव मनाने से

(छ) सर्वाधिक शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है। (1)

(*i*) सर्वा (*ii*) स (*iii*) सर्व

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(ज) निम्नलिखित शब्द मे से विदेशी शब्द है? (1)

(*i*) वर्ष (*ii*) ट्रैफिक (*iii*) नागरिक

(झ) सभ्य का विलोम है। (1)

(*i*) विसभ्य (*ii*) असभ्य (*iii*) सभ्यता

(ञ) उम्र शब्द का तत्सम रूप है। (1)

(*i*) वर्ग (*ii*) श्रेणी (*iii*) आयु

खंड 'ख'

2. 'भविष्य के स्कूल कैसे हों'विषय पर दो मित्रों के बीच हुए बातचीत को संवाद रुप में लिखिए। (5)

अथवा

रेल में यात्रा के समय, अत्यंत सुन्दर दृश्य, खो से जाना, अचानक नींद का झोंका, गहरी नींद, स्टेशन निकल गया और गाड़ी यार्ड में पहुँच गई एक धण्टे बाद अचानक आपकी आँख खुली और तब .... (रचनात्मक लेखन)

3. विदेशी मित्र को पत्र लिखकर अपने विद्यालय की विशेषताएँ बताइए। (5)

अथवा

अवैध रूप से कब्ज़ा की गई ज़मीन की सूचना देते हुए पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखिए।

खंड 'ग'

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक में दिए निर्देशों को पढ़कर दीजिए।

(क) अव्यवहारिक, अमानवीय (उपसर्ग व प्रत्यय छाँटिए) (2)
(ख) बिमारी, चिन्ह, श्रंगार, कवियत्री (शुद्ध कीजिए) (2)
(ग) बार बार मत पढ़ो (विराम चिह्न लगाइए) (1)
(घ) आग, लक्ष्मी (दो-दो पर्यायवाची लिखिए) (2)
(ङ) उपयोगी, सत्संगति, अतिवृष्टि, कृतज्ञ (विलोम शब्द लिखिए) (2)

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(क) उद्योग, राष्ट्र (विशेषण बनाइए) (2)
(ख) एक+एक, पितृ+आलय (संधि कीजिए) (2)
(ग) शब्दार्थ, भोजनालय (संधि विच्छेद कीजिए) (2)
(घ) गुण, फल (दो-दो अनेकार्थी शब्द लिखिए) (2)
(ङ) थोथा चना बाजे घना, मिट्टी में मिला देना (लोकोक्ति व मुहावरे का वाक्य प्रयोग कीजिए।) (2)

6. (क) तत्सम रूप बताइए। (1)

(*i*) नाक (*ii*) शक्कर

(ख) तद्भव रूप बताइए। (1)

(*i*) गर्दभ (*ii*) सूर्य

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(ग) निम्न शब्दों से रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द छाँटिए। (2)
पुस्तकालय, हिम्मत, जलज, दशानन

7. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (2)
(क) भारतीय संविधान में .... भाषाओं को स्वीकृति दी गई है।
(ख) हिंदी भाषा का वर्तमान रूप .... बोली है।
(ग) हिंदी भाषा में कुल .... वर्ण है।
(घ) .... के बिना व्यंजन का उच्चारण नहीं होता।

खंड 'घ'

8. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

जाति न पूछो साध की, पूछ लीजिए ज्ञान।
मेल करो तरवार का पड़ा रहने दो म्यान।।

जग में बैरी कोई नहीं, जो मन सीतल होय।
<u>या आपा को डारि दे, दया करै सब कोय।।</u>

(क) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस पाठ से ली गई हैं (1)
(*i*) रहीम के दोहे (*ii*) कबीर की साखियाँ (*ii*) मीराबाई के पद

(ख) प्रस्तुत पद्यांश के कवि हैं (1)
(*i*) सूरदास (*ii*) रहीम (*ii*) कबीरदास

(ग) कवि ने साधु की कौन से गुण को अपनाने के लिए कहा है? (1)
(*i*) जाति (*ii*) वेशभूषा (*ii*) ज्ञान

(घ) कवि ने क्या त्यागने के लिए कहा है? (1)
(*i*) चरित्र (*ii*) ज्ञान (*ii*) घमण्ड

(ङ) कैसे व्यक्ति का जग में कोई बैरी नहीं होता (1)
(*i*) दुर्जन (*ii*) सज्जन (*ii*) चरित्रहीन

(च) 'बैरी' शब्द का अर्थ है – (1)
(*i*) शत्रु (*ii*) मित्र (*ii*) सखा

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मनुष्य की बनाई विधियाँ गलत नतीजे तक पहुँच रही हैं तो इन्हें बदलना होगा। वस्तुतः आए दिन इन्हें बदला ही जा रहा है। लेकिन अब भी आशा की ज्योति बुझी नहीं है। महान भारतवर्ष को पाने की संभावना बनी हुई है, बनी रहेगी।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए। (1)

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(ख) मनुष्य की बनाई विधियाँ किस प्रकार गलत नतीजे तक पहुँच रही हैं? (2)

(ग) महान भारतवर्ष को पाने की संभावना बनी हुई है, बनी रहेगी। लेखक के इस कथन से हमें क्या संदेश मिलता है? (2)

(घ) 'आशा' शब्द का विलोम लिखिए। (1)

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए - (3× 3 = 9)

(क) साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण क्यों मानता था?

(ख) सुदामा की दीन दशा देखकर श्री कृष्ण की क्या मनोदशा हुई?

(ग) कामचोर कहानी क्या संदेश देती है?

(घ) कवि ने केवल माला फेरने को भगवान का स्मरण क्यों नहीं माना है?

11. आशय स्पष्ट कीजिए - (2 × 2 = 4)

(क) तुमने अपना जीवन बलिदान कर दिया किंतु फिर भी तुम अमर हो?

(ख) महान भारतवर्ष को पाने की संभावना बनी हुई है और बनी रहेगी।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'बुद्ध चरित' पुस्तक के आधार पर दीजिए। (1× 5 = 5)

(क) सिद्धार्थ के पुत्र का क्या नाम था?

(ख) जीवन के उद्देश्य क्या माने गए है?

(ग) उद्रक ने सिद्धार्थ को समाधि की कितनी अवस्थाएँ बताई।

(घ) सिद्धार्थ और देवदत्त ने किस बात पर बहस हुई?

(ङ) सिद्धार्थ अपनी पत्नी को प्यार से क्या बुलाते थे?

13. (क) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (3)

(1) .... ने राजकुमार से कहा यह .... है जो रुप और शक्ति का नाश करती है।

(2) सिद्धार्थ .... के साथ .... से बाहर निकले।

(3) .... बोधिसत्व .... से अत्यंत दुर्बल हो गए थे।

(ख) किसने, किससे कहा– (2)

(1) "हे सौम्य! पहले आप हमारा सिद्धांत सुनिए।"

(2) "आपका उद्देश्य बिना बाधा के सफल हो।"

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

आदर्श प्रश्न-पत्र अर्द्धवार्षिक परीक्षा
(हल सहित)

समय : 2 घण्टे 30 मिनट — अधिकतम अंक : 80

निर्देश :-

(क) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं – 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
(ख) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(ग) यथासंभव प्रश्नों के, उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

"शिष्टाचार का पहला गुण है विनम्रता। हमारी वाणी में, व्यवहार में विनम्रता घुली होनी चाहिए। विनम्रता केवल बड़ों के प्रति ही नहीं होती अपितु बराबर वालों और अपने से छोटों के प्रति भी नम्रता और स्नेह का भाव होना चाहिए। सभी से बोलते समय हमारी वाणी में मिठास रहनी चाहिए। कटुता या कर्कशता नहीं। विनम्रता केवल भाषा की वस्तु नहीं है। हमारे कर्म में भी विनम्रता होनी चाहिए। यह ध्यान रखना चाहिए कि विनम्रता और दीनता में अंतर है। विनम्र होते हुए भी हम अपने स्वाभिमान की रक्षा कर सकते है, दीनता में नहीं।

(क) शिष्टाचार का पहला गुण है? (1)
(*i*) विनम्रता (*ii*) उग्रता (*iii*) असभ्यता

(ख) छोटो के प्रति कैसा भाव होना चाहिए? (1)
(*i*) कर्कशता (*ii*) श्रद्धा (*iii*) स्नेह व नम्रता

(ग) बोलते समय हमारी वाणी कैसी होनी चाहिए? (1)
(*i*) कर्कश (*ii*) मिठासयुक्त (*iii*) कटुतापूर्ण

(घ) विनम्रहोते हुए भी हम किसकी रक्षा कर सकते है? (1)
(*i*) दीनता (*ii*) अभिमान (*iii*) स्वाभिमान

(ङ) मूल शब्द व प्रत्यय अलग कीजिए –'कटुता' (1)
(*i*) कटु, उता (*ii*) कटु, ता (*iii*) क, टुता

(च) भाववाचक संज्ञा छाँटिए। (1)
(*i*) भाषा (*ii*) वस्तु (*iii*) मिठास

(छ) गद्यांश के लिए उपर्युक्त शीर्षक बताइए। (1)
(*i*) घमंड (*ii*) कर्कश (*iii*) विनम्रता

(ज) मिठास शब्द का विलोम है। (1)
(*i*) विनम्र (*ii*) कटु (*iii*) नम्र

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(झ) विनम्र शब्द का वर्ण विच्छेद है। (1)

(*i*) व+इ+न्+अ+म्+र्+अ (*ii*) व+इ+न्+अ+म्+र् (*iii*) व्+इ+न+म्+अ+र्+अ

(ञ) अपितु शब्द का अर्थ है। (1)

(*i*) लेकिन (*ii*) बल्कि (*iii*) वरना

खंड 'ख'

2. दिए गए विषय पर लगभग 80-120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए -नदियों में श्रेष्ठ : गंगा (5)

अथवा

क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम की जीत को लेकर दो मित्रों के बीच हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

3. अपने मित्र को उसके बड़े भाई के विवाह पर न पहुँच पाने का अफसोस व्यक्त करते हुए पत्र लिखिए। (5)

अथवा

अवैध रूप से सड़क पर चल रही तोड़-फोड़ की सूचना देते हुए लोकनिर्माण विभाग के अधिकारी को पत्र लिखिए।

खंड 'ग'

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक में दिए निर्देशों को पढ़कर दीजिए।

(क) अपमानित, निडरता (उपसर्ग तथा प्रत्यय छाँटिए) (2)
(ख) प्रथक, पूज्यनीय (शुद्ध कीजिए) (1)
(ग) गंगा, हवा (दो-दो पर्यायवाची लिखिए) (2)
(घ) उपस्थित, कृतघ्न (विलोम शब्द लिखिए) (2)
(ङ) माता पिता का कर्तव्य था (विराम चिह्न लगाइए) (2)

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(क) व्यवहार, क्रोध (विशेषण बनाइए) (2)
(ख) हित+उपदेश, सु+आगत (संधि कीजिए) (2)
(ग) पित्राज्ञा, महर्षि (संधि विच्छेद कीजिए) (2)
(घ) कर, वर्ण (दो-दो अनेकार्थी शब्द लिखिए) (2)
(ङ) कलई खुलना, मन चंगा तो कठौती में गंगा (मुहावरे व लोकोक्ति का वाक्य प्रयोग कीजिए)

6. (क) तत्सम रूप बताइए। (2)

(*i*) कान (*ii*) मक्खी

(ख) तद्भव रूप बताइए। (2)

(*i*) घृत (*ii*) दूध

(ग) निम्न शब्दों से रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द छाँटिए। (2)

पानवाला, पीताम्बर, पुस्तक, विद्यालय

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

7. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (2)

(क) .... के द्वारा भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता हैं।

(ख) .... बिना किसी अन्य वर्ण की सहायता से बोले जाते हैं।

खंड 'घ'

8. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

आगे चना गुरूमात दए ते, लए तुम चाबि हमें नहिं दीने।
स्याम कहयो मुसकाय सुदामा सों, " चोरि की बान में हौं जू प्रवीने"
पोटरि कांख में चांपि रहे तुम , खोलत नाहिं सुधा रस भीने
पाछिली बानि अजौ न तजौ तुम , तैसई भाभी के तन्दुल कीने"

(क) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस पाठ से ली गई हैं? (1)
(*i*) कबीर की साखियाँ (*ii*) सूरदास के पद (*iii*) सुदामाचरित

(ख) प्रस्तुत पाठ के कवि हैं – (1)
(*i*) सूरदास (*ii*) तुलसीदास (*iii*) नरोत्तमदास

(ग) "चोरि की बान में हौ जू प्रवीने" पंक्तियों का अर्थ है – (1)
(*i*) प्रवीण चोरी करनें मे कुशल है (*ii*) चोरी करने में निपुण हैं
(*iii*) चोरी करने में अनाड़ी हैं

(घ) प्रस्तुत कविता में किनके बीच बातचीत हो रही है – (1)
(*i*) नरोत्तमदास और कृष्ण (*ii*) नरोत्तमदास और सुदामा (*iii*) सुदामा और कृष्ण

(ङ) 'सुधा' शब्द का पर्यायवाची है – (1)
(*i*) संसार (*ii*) रोटी (*iii*) अमृत

(च) 'तजौ' शब्द का अर्थ है – (1)
(*i*) त्योहार (*ii*) त्यागना (*iii*) तुम्हारा

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्त्व नहीं दिया है, उसकी दृष्टि से मनुष्य के भीतर जो महान आंतरिक गुण स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विचार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन तथा बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड़ देना बहुत बुरा आचरण है। भारतवर्ष ने कभी उन्हें उचित नहीं माना, उन्हें सदा संयम के बंधन से बाँधकर रखने का प्रयत्न किया है।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम बताइए। (1)

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(ख) कौन से विचार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं और लेखक ने बुरा आचरण किसे माना है? (2)
(ग) रेखांकित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। (2)
(घ) 'उचित' शब्द का विलोम लिखिए। (1)

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए – (3× 3 = 9)
(क) जीवन के महान मूल्यों के प्रति आज हमारी आस्था क्यों हिलने लगी है?
'क्या निराश हुआ जाए' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।
(ख) कबीर घास की निन्दा करने से क्यों मना करते हैं?
(ग) बाज घायल होते हुए भी आकाश में उडना क्यों चाहता था?
(घ) नौकरों को निकालना क्यों तय हुआ?

11. आशय स्पष्ट कीजिए – (2 × 2 = 4)
(क) 'मुझे कोई शिकायत नहीं है "मेरी जिंदगी भी खूब रही, जी भरकर उसे भोगा है।"
(ख) कानून को धोखा दिया जा सकता परन्तु धर्म को नहीं।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'बुद्ध चरित' पुस्तक के आधार पर दीजिए। (1 × 5 = 5)
(क) सिद्धार्थ का जन्म कब और कहाँ हुआ?
(ख) सिद्धार्थ ने अपने आभूषण उतारकर किसे दिए?
(ग) बिंबिसार की बातों का सिद्धार्थ पर क्या असर हुआ?
(घ) सिद्धार्थ ने किस मुनि के आश्रम में प्रवेश किया?
(ङ) सिद्धार्थ को खीर से परिपूर्ण पात्र किसने दिया?

13. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (3)
(क) गोपराज की कन्या .... ने बोधिसत्व को .... से परिपूर्ण पात्र प्रदान किया।
(ख) एक बार एक .... हाथी महारानी के शरीर में प्रवेश कर गया, ऐसा उन्होंने .... देखा।
(ग) महामाया की बहन .... जिसे .... भी कहते थे।

14. किसने, किससे कहा – (2)
(क) "मैं जलती हुई आग में प्रवेश कर सकता हूँ।"
(ख) "हे सौम्य, मैं तुम्हें पाँच अविद्याओं के बारे में बताता हूँ।"

❀❀❀

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

आदर्श प्रश्न-पत्र अद्र्धवार्षिक परीक्षा
(हल सहित)

खंड 'क'

उ०1. (क) विनम्रता ।
(ख)स्नेह व नम्रता का भाव।
(ग) मिठास
(घ)कर्कशता - कटुता, अपितु - बल्कि
(ङ) मूलशब्द - कटु, प्रत्यय - ता
(च) मिठास
(छ) विनम्रता
(ज) कटु
(झ) व+इ+न्+अ+म्+र्+अ
(ञ) बल्कि

खंड 'ख'

उ०2. (क) नदियों में सर्वश्रेष्ठः गंगा

गंगा भारत की उन प्राचीनतम नदियों में से है जिन पर भारतवासियों को बहुत श्रद्धा रही है। गंगा केवल नदी ही नहीं है, बल्कि इसका सम्बन्ध भारत की संस्कृति तथा इतिहास से जुड़ा है। यह पवित्र नदी प्रत्येक भारतवासी के लिए अत्यंत पवित्र तथा पूज्य है। भौगोलिक दृष्टि से इसी नदी ने उत्तरी भारत के विशाल उपजाऊ मैदान को बनाया है तथा भारतभूमि को धन-धान्य से पूर्ण किया है। हिमालय के गंगोत्री नामक स्थान से निकलकर वह समूचे भारतवर्ष को अपने अमृत जल से सींचती हुई, हजारों मील की यात्रा करती हुई बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है। इसी नदी के तट पर प्राचीन काल में हमारी सभ्यता और संस्कृति का विकास हुआ था। इसी के किनारे बैठकर हमारे ऋषि-मुनियों ने तपस्या की तथा ग्रंथों की रचना की। भगीरथ ही गंगा को पृथ्वी पर लाए थे इसलिए इसका नाम भागीरथी भी है। ऐसा माना जाता है कि इसमें स्नान करने से व्यक्ति पवित्र हो जाता है।

उ०3. छात्रावास
डी० पी० एस० इंदिरापुरम्
गाज़ियाबाद।
13-02-06
प्रिय मित्र राजेश,
नमस्ते

तुम्हारा पत्र मिला, पत्र में तुम्हारे पिता जी की मृत्यु का समाचार पढ़ा, तो विश्वास ही नहीं हुआ। ऐसे दुखद और अप्रत्याशित समाचार पर आखिर विश्वास हो भी कैसे सकता है? मैंने कभी स्वप्न में भी यह कल्पना नहीं की थी कि वे इस तरह अचानक हम सब को छोड़कर चले जाएँगे। मित्र यही विधि का विधान है। यहीं तो मनुष्य असमर्थ हो जाता है। ईश्वर की इच्छा के आगे किसी का वश नहीं चलता। अब तुम्हें व तुम्हारे परिवार को धैर्य धारण करना ही होगा। तुम हिम्मत से काम लोगे तभी चाची जी व मोहित को भी

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

संभाल सकोगे। तुमसे इतनी दूर बैठे मैं तो ईश्वर से यही प्रार्थना कर सकता हूँ कि ईश्वर तुम्हारे पिताजी की आत्मा को सद्‌गति व शांति प्रदान करे तथा तुम्हें व तुम्हारे परिवार को यह दुख सहने की शक्ति दे।

मैं ग्रीष्मावकाश में तुम्हारे पास आने की कोशिश करूँगा। चाची जी को प्रणाम व मोहित को ढेर सारा प्यार देना।

तुम्हारा मित्र

क. ख. ग

खंड 'ग'

उ04. (क) अप + मान + इत, नि + डर + ता
(ख) पृथक, पूजनीय
(ग) गंगा - सुरसरि, देवनदी
(घ) हवा - वायु, पवन
(ङ) उपस्थित - अनुपस्थित
कृतज्ञ - कृतघ्न
(च) माता-पिता का कर्तव्य था।

उ05. (क)व्यवहारिक, क्रोधी (जातिवाचक संज्ञा)
(ख) हितोपदेश, स्वागत
(ग) पितृ+आज्ञा, महा+ऋषि
(घ) कर - टैक्स, क्रिया
वर्ण - रंग, अक्षर
(ङ) (*i*) साधु जब चोरी करते पकड़ा गया तो उसकी सारी कलई खुल गई।
(*ii*) विभीषण ही रावण की मृत्यु का कारण बना, ठीक ही कहा है- घर का भेदी लंका ढाए।

उ06. (क) (*i*) कान - कर्ण (*ii*) मक्खी - मक्षिका
(ख) (*i*) घृत - घी (*ii*) दूध - दुग्ध
(ग) रूढ़ - पुस्तक यौगिक - पानवाला, विद्यालय योगरूढ़ - पीताम्बर

उ07. (क)व्याकरण के द्वारा भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है।
(ख) स्वर बिना किसी अन्य वर्ण की सहायता से बोले जाते हैं।

खंड 'घ'

उ08. (क) कवि -नरोत्तमदास (ख) सुदामाचरित (ग) चोरी करने में निपुण हैं।
(घ) सुदामा और कृष्ण (ङ)अमृत (च)त्यागना

उ09. (क) पाठ का नाम - क्या निराश हुआ जाए
लेखक का नाम- हजारीप्रसाद द्विवेदी
(ख) लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विचार मनुष्य में स्वभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन तथा बुद्धि का उन्ही के इशारे पर छोड़ देना बहुत बुरा आचरण है।
(ग) भारतीय संस्कृति में भौतिकता का कोई महत्त्व नहीं है किन्तु सत्य, न्याय, अहिंसा, सद्भाव जैसे मानवीय संवेदनाओं का महत्त्व रहा है और मनुष्य के जीवन में इन्हीं गुणों का महत्त्वपूर्ण स्थान है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

उ०10. (क) जब हम देखते हैं कि ईमानदारी से मेहनत करके जीवन चलाने वाले निरीह और भोले-भाले श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ तथा फरेब का रोज़गार करने वाले फल-फूल रहे हैं। तो जीवन के महान मूल्यों के प्रति हमारी आस्था हिलने लगती है।

(ख) कबीर घास की निंदा करने से इसलिए मना करते हैं क्योंकि यदि कभी तिनका उड़कर आँख में पड़ जाए तो दुख दुगना बढ़ जाता है। आशय यह है कि यदि हम समाज के छोटे व्यक्तियों को हीन समझेंगे तो उपेक्षा के कारण वे हमारे दुख का कारण बन सकते हैं।

(ग) उसे आकाश की स्वतंत्रता अत्यंत प्रिय थी, वह अत्यंत साहसी था, उसे अपनी मौत से जरा भी भय नही था। आजकल वस्तु विनिमय नहीं होता। रुपए देकर कोई वस्तु खरीदी जाती है।

(घ) नौकरों को निकालना इसलिए तय हुआ क्योंकि उनके रहते सभी बच्चे कामचोर हो चुके थे। यहाँ तक कि वे पानी भी स्वयं लेकर नहीं पीना चाहते थे।

उ०11. (क) पाठ का नाम- बाज और साँप

लेखक का नाम -निर्मल वर्मा

घायल बाज ने अपने जीवन की अंतिम साँसे लेते हुए कहा कि उसे जीवन से कोई शिकायत नहीं है क्योंकि वह साहसी है और अपने प्राणों को हथेली पर रखकर आसमान में उडता फिरता है। उसे आज़दी प्रिय है वह ज़िदगी के हर खतरे का बहादुरी से सामना करता है।

(ख) पाठ का नाम - क्या निराश हुआ जाए

लेखक का नाम - हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

प्रस्तुत पंक्ति के द्वारा लेखक ने यह बताने का प्रयास किया है कि कानून मनुष्यों के द्वारा बनाए गए नियम हैं जिनका समाज में रहकर पालन करना आवश्यक है। परंतु कभी-कभी मनुष्य अपनी सुविधा अनुसार उन नियमों को तोड़ देता हैं परंतु धर्म मन की ऐसी आस्था है जिसे तोड़ते हुए उसका मन कहीं न कहीं डगमगा जाता हैं क्योकि आज भी मनुष्य के मन में ईश्वरीय तत्व विद्यमान है।

उ०12. (क) लुंबिनी के एक उद्यान में वैशाख पूर्णिमा के दिन

(ख) छंदक

(ग) उन्होंने अपना स्थान बदल दिया क्योंकि उन्हें भय था कि वे भेट भेजकर उनकी साधना में व्यवधान करेगा।

(घ) अराड मुनि

(ङ) गोपराज की कन्या नंदबाला

उ०13. (क) नंदबाला, पायस (खीर) (ख) सफेद, स्वप्न (ग) महाप्रजापति, गौतमी

उ०14. (क) राजकुमार ने पुरोहित से कहा (ख) अराड मुनि ने बुद्ध से कहा

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Module – 10

वसंतः पानी की कहानी

व्याकरणः अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, पत्र-लेखन, अपठित गद्यांश

शिक्षण उद्देश्यः

1. पानी के जन्म और जीवन-यात्रा के इतिहास से परिचित कराना।
2. पाठ पठन के लिए प्रेरित करना।
3. विचारों को क्रमबद्ध लिखने की क्षमता का विकास करना।
4. पठित गद्यांश पर परिचर्चा के बाद छात्रों को उत्तर स्वयं लिखने के लिए प्रेरित करना।

रचनात्मक कार्यः

1. जलचक्र के विषय में जानकारी प्राप्त करके कोलार्ज तैयार कीजिए।
2. शब्द-कोश प्रयोग करने की आदत को विकसित करना।

MODULE – 11

बुद्ध चरितः धर्म चक्र प्रवर्तन

व्याकरण – समास, अनुच्छेद लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. छात्रों के मन में दया-भाव जाग्रत करना।
2. पाठ पढ़कर पूछे गए उत्तर देने की क्षमता का विकास करना
3. अपने विचारों को स्वतंत्र तथा व्यवस्थित रूप से प्रकट करने की क्षमता का विकास

रचनात्मक कार्यः

1. शब्द कोश के प्रयोग की आदत डालना।
2. विचारों में वृद्धि के लिए विभिन्न पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ना।

MODULE – 12

वसंतः भगवान के डाकिए (कविता)

व्याकरणः क्रिया भेद सहित अपठित गद्यांश, पद्यांश

शिक्षण उद्देश्यः

1. कविता का रसास्वादन करने की तथा इसके सस्वर वाचन की क्षमता का विकास करना।
2. एक ही शब्द के विभिन्न अर्थों को प्रसंग के अनुसार समझने की योग्यता का विकास।
3. अपठित बोध से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देने की क्षमता का विकास।
4. शब्द भंडार में वृद्धि करना।

रचनात्मक कार्यः

1. इसी विषय पर लिखी गई अन्य कविताओं का संकलन करना।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

MODULE – 13

वसंतः अकबरी लोटा (कहानी)

व्याकरणः अव्यय अविकारी शब्द, क्रिया-विशेषण, रचनात्मक लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. परिस्थिति के अनुसार बुद्धि के प्रयोग का महत्त्व बताना।
2. विभिन्न शब्दों के रूपों तथा उनकी उपयोगिता का ज्ञान प्रदान करना।
3. अपने विचारों को व्यवस्थित क्रमबद्ध रूप में प्रकट करने की क्षमता का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः

1. 'जब मैंने अक्ल लगाई' विषय पर एक अनुच्छेद लिखना।
2. एक ही स्थान पर अलग-अलग अविकारी शब्द का प्रयोग करने से वाक्य के अर्थ में परिवर्तन आता है, यह स्पष्ट करने के लिए चार्ट बनाना।

MODULE – 14

बुद्धचरितः महापरिनिर्वाण

व्याकरणःमुहावरे, लोकोक्तियाँ, अनुच्छेद लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. महात्मा बुद्ध के संपूर्ण जीवनकाल से परिचित कराना।
2. मुहावरे तथा लोकोक्तियों के अर्थ समझकर उनके प्रयोग के लिए प्रेरित करना।
3. छात्रों की चिंतन-शक्ति तथा कल्पना-शक्ति का विकास करना।
4. मौलिक भावों की अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित करना।

रचनात्मक कार्यः

1. दिए गए विषय पर अनुच्छेद लिखना।
2. मुहावरों तथा लोकोक्तियों के आधार पर चित्र बनाकर उन्हें पहचानना।

MODULE – 15

वसंतः सूरदास के पद (पद)

व्याकरणः वाक्य विचार, अंग, अर्थ-भेद, पत्र-लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. कृष्ण के बाल-रूप से परिचित कराना।
2. सूरदास की सखा-भाव की भक्ति से परिचित कराना।
3. अपने विचारों की अभिव्यक्ति करने की क्षमता का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

1. कुछ ऐसे प्रसगों, घटनाओं और कहानियों का संकलन कीजिए जो बाल-मन की निश्छलता, अबोधता और भोलेपन को व्यक्त करते हैं।

MODULE – 16

वसंतः बस की यात्रा

व्याकरणः पत्र (औपचारिक, अनौपचारिक) अपठित गद्यांश, पद्यांश

शिक्षण उद्देश्यः

1. जीवन में कभी भी हार न मानने की प्रेरणा देना।
2. अपने विचारों को प्रभावशाली तथा रोचक ढंग से व्यक्त करने की क्षमता का विकास करना।
3. आवश्यकता पड़ने पर विभिन्न सूचनाओं को भेजने व लगाने की योग्यता का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः

1. दिए गए विषय पर अनुच्छेद लिखना।

MODULE – 17

बुद्ध्चरितः धर्मचक्र प्रवर्तन

व्याकरणःपत्र व अनुच्छेद लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. पाठों को पढ़कर उनके मुख्य उद्देश्य व संदेश समझने की योग्यता का विकास करना।
2. सरल भाषा के द्वारा भावों को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास करना।
3. अपने विचारों को व्यवस्थित तथा क्रमबद्ध रूप में लिखने की क्षमता का विकास करना।
4. पत्र लेखन के दोनों प्रारूपों का ज्ञान प्रदान करके अभ्यास कराना।

रचनात्मक कार्यः

1. दिए गए विषय पर रचनात्मक लेखन तथा पत्र लिखना।

MODULE – 18

शिक्षण उद्देश्यः

1. वार्षिक परीक्षा के बाद पढ़ाई गई सामग्री का पुनरावलोकन कर परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर लिखने की क्षमता का विकास करना।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Module – 10

पानी की कहानी

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मैं आगे बढ़ा ही था कि बेर की झाड़ी पर से मोती-सी एक बूँद मेरे हाथ पर आ पड़ी। मेरे आश्चर्य का ठिकाना न रहा जब मैंने देखा कि ओस की बूँद मेरी कलाई पर से सरककर हथेली पर आ गई। मेरी दृष्टि पड़ते ही वह ठहर गई। थोड़ी देर में मुझे सितार के तारों की-सी झंकार सुनाई देने लगी। मैने सोचा कि कोई बजा रहा होगा। चारों ओर देखा। कोई नहीं। फिर अनुभव हुआ कि यह स्वर मेरी हथेली से निकल रहा है।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) लेखक के आश्चर्य का ठिकाना कब न रहा?
(ग) हथेली से कैसा स्वर निकल रहा था?
(घ) अर्थ लिखिए – दृष्टि, अनुभव
(ङ) वर्ण विच्छेद करें –झंकार, बूँद

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखें

प्र.2. अनेक शब्दों के लिए सही विकल्प चुनिए।

(क) जो काम न करे
(ख) ऊपर कहा गया
(ग) जो सब कुछ जानता हो
(घ) दोपहर के बाद का समय

प्र.3. रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करके वाक्य पुनः लिखिए।

(क) कुछ तथ्य हमेशा रहने वाले होते हैं, उन्हें बदला नहीं जा सकता।
(ख) डा० चंद्रा की बीमारी का इलाज नहीं हो सकता था।
(ग) मेरे दादाजी विष्णु के उपासक थे।
(घ) मेरे पिताजी दूसरे देशों से सामान मँगवाने तथा दूसरे देशों में सामान भेजने का व्यापार करते हैं।
(ङ) मोहन बहुत तेज़ बुद्धि वाला बालक है, हर बात क्षणभर में समझ लेता है।

प्र.4. अपने मित्र को उसके बड़े भाई के विवाह पर न पहुँच पाने का अफसोस व्यक्त करते हुए पत्र लिखिए।

Module – 11

धर्म चक्र प्रवर्तन

प्र.1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) बुद्ध सर्वप्रथम .... गए वहाँ उनकी भेंट पाँच भिक्षुओं से हुई जो .... के कानन में रहकर वापस लौट आए थे।
(ख) संन्यासी को .... विलास और .... तप, इन दोनों से बचकर रहना चाहिए।
(ग) कुछ समय पश्चात मगधराज ने जब सुना कि महात्मा बुद्ध .... में पधारे हैं। तो वे अत्यंत .... हुए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(घ) जब .... ने उदारतापूर्वक इस भूमि की प्रभूत धन-राशि प्रदान की तो वन के स्वामी .... का मन भी बदल गया।

(ङ) राजकुमार .... पात्र में जल लेकर आए। उन्होंने .... की भी चर्चा की।

प्र.2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) महात्मा बुद्ध ने पाँचों भिक्षुओं को कौन से आष्टांगिक मार्ग बताए?

(ख) अंगुलिमाल को महात्मा बुद्ध ने क्या उपदेश दिया तथा उसका क्या प्रभाव पड़ा?

(ग) आम्रपाली को महात्मा बुद्ध ने क्या समझाया?

समास

प्र.3. निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

(क) चक्रधर	(ख) नीलगाय	(ग) अष्टाध्यायी
(घ) दाल-भात	(ङ) रातोंरात	(च) देशभक्ति

प्र.4. निम्नलिखित विग्रह के लिए समस्तपद तथा समास का नाम लिखिए।

(क) गुणों में हीन	(ख) पीला है जो अंबर	(ग) समय के अनुसार
(घ) अमीर या गरीब	(ङ) चार राहों का समूह	(च) गज के समान है मुख जिसका

प्र.5. दिए गए विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए – "नारी और नौकरी"

Module – 12

भगवान के डाकिए

प्र.1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्याानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

पक्षी और बादल,
ये भगवान के डाकिए हैं,
जो एक महादेश से
दूसरे महादेश को जाते हैं।
हम तो समझ नहीं पाते हैं
मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ
पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ बाँचते हैं।
हम तो केवल यह आँकते हैं
कि एक देश की धरती
दूसरे देश को सुगंध भेजती है।
और वह सौरभ हवा में तैरते हुए
पक्षियों की पाँखों पर तिरता हुए

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

और एक देश का भाप
दूसरे देश में पानी
बनकर गिरता है।

(क) कवि ने किसको भगवान के डाकिए कहा है –
(*i*) फूलों की सुगंध को (*ii*) पेड़-पौधों को
(*iii*) पक्षी और बादल को (*iv*) बादलों को

(ख) भगवान के डाकिए एक देश से दूसरे देश तक क्या पहुँचाते हैं?
(*i*) डाक वितरण सेवा (*ii*) दयालु होने का भाव
(*iii*) प्रेम ओर सद्भावना (*iv*) लड़ाई करने का संदेश

(ग) कौन सी प्राकृतिक संपदा 'भगवान के डाकिए' द्वारा लाए गए संदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर फैलाती है?
(*i*) फूल और कलियाँ (*ii*) बादल
(*iii*) नदियाँ व झरने (*iv*) पेड़-पौधे और पहाड़

(घ) 'पेड़ – पौधे' शब्दों में किस विराम चिह्न का प्रयोग हुआ है?
(*i*) पूर्णविराम (*ii*) योजक
(*iii*) अल्पविराम (*iv*) अर्धविराम

(ङ) 'पक्षी' शब्द के लिए उचित पर्यायवाची है –
(*i*) खग, नभ (*ii*) विहग, नभ
(*iii*) खग, विहग (*iv*) नभ, अचर

क्रिया भेद सहित

प्र.1. निम्नलिखित वाक्यों में सकर्मक व अकर्मक क्रियाएँ छाँटिए।
(क) बच्चा गहरी नींद में सो रहा है। (ख) हमने मकान खरीदा है।
(ग) पिताजी बाहर गए हैं। (घ) माताजी ने खीर बनाई।
(ङ) बच्चे लड़ रहे हैं।

प्र.2. निम्नलिखित वाक्यों में पूर्वकालिक तथा प्रेरणार्थक क्रियाएँ छाँटिए।
(क) माँ नौकरानी से कपड़े धुलवा रही हैं। (ख) बच्चा खाना खाकर सो गया।
(ग) राम मैच देखकर वापस आ गया। (घ) अध्यापक जी पढ़ाकर चले गए।
(ङ) पिताजी पौधों में पानी डलवा रहे हैं।

प्र.3. दिए गए विकल्पों से उचित नामधातु क्रियाएँ बनाइए –
(क) लज्जा (ख) बात (ग) झूठ (घ) फिल्म

प्र.4. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया को रेखांकित कर कर्म के आधार पर भेद बताइए।
(क) हम प्रतिदिन घूमने जाएँगे। (ख) मोहन अपने भाई को सुला रहा है।
(ग) पिताजी बाहर गए हुए हैं। (घ) माता जी ने खीर बनाई है।
(ङ) आजकल बच्चे पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

अपठित गद्यांश

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

संसार में अनेक धर्म हैं। सभी लोग अपने- अपने विश्वास एवं आस्था के अनुसार अपने-अपने धर्म के अनुयायी हैं। सभी धर्म, इनकी मान्यताएँ, रीति-रिवाज़, विश्वास आदि ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न मार्ग हैं। सभी धर्म मनुष्य को सच्चाई, ईमानदारी, परोपकार, सदाचार, सत्संगति, प्रेम, मित्रता, सहयोग एवं सद्भावना की प्रेरणा देते हैं। कोई भी धर्म घृणा, द्वेष या कटुता की बात नहीं करता। सभी धर्मों का गंतव्य एक है। सभी धर्मों की आत्मा एक है। कुछ संकीर्ण विचारधारा के लोग अपने स्वार्थ के लिए धर्म के नाम पर खून की नदियाँ बहाते हैं। यह अनुचित है। हमें सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।
- (*i*) संसार का महत्व
- (*ii*) धर्म का महत्व
- (*iii*) मान्यताएँ
- (*iv*) रीति-रिवाज

(ख) सभी धर्मों का लक्ष्य है –
- (*i*) अपने-अपने धर्म को प्रमुखता देना
- (*ii*) स्वार्थ को फैलाना
- (*iii*) खून की नदियाँ बहाना
- (*iv*) सदाचार, प्रेम, मित्रता की प्रेरणा देना

(ग) संकीर्ण विचारधारा के लोग भेदभाव की भावना कैसे उत्पन्न करते हैं?
- (*i*) प्रेम के द्वारा
- (*ii*) सभी धर्मों का सम्मान करके
- (*iii*) कटुता की बात करके
- (*iv*) धर्म के नाम पर खून की नदियाँ बहाकर

(घ) उपसर्ग छाँटिए- परोपकार,
- (*i*) कार
- (*ii*) पकार
- (*iii*) उपकार
- (*iv*) पर्

Module – 13

अकबरी लोटा

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

लाला अपना गुस्सा पीकर पानी पीने लगे। उस समय वे छत की मुँडेर के पास ही खड़े थे। जिन बुज़ुर्गों ने पानी पीने के संबंध में ये नियम बनाए थे कि खड़े-खड़े पानी न पियो, सोते समय पानी न पियो, दौड़ने के बाद पानी न पियो, उन्होंने पता नहीं कभी यह भी नियम बनाया था या नहीं कि छत की मुँडेर के पास खड़े होकर पानी न पियो। जान पड़ता है कि इस महत्त्वपूर्ण विषय पर उन लोगों ने कुछ नहीं कहा है।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

(ख) लाला जी का क्या नाम था? उन्हें किस बात पर गुस्सा आ रहा था?

(ग) बुज़ुर्गों ने पानी पीने के संबंध में कौन-कौन से नियम बनाए थे?

(घ) दिए गए शब्दों में प्रत्यय लगाकर एक-एक नया शब्द बनाइए- अपना, नियम

(ङ) दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए – पानी, गुस्सा।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

प्र.2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए

(क) बिलवासी जी के चरित्र की तीन विशेषताएँ लिखिए।

(ख) बिलवासी जी ने अंग्रेज को लोटा खरीदने के कौन-कौन से कारण बताए?

अव्यय तथा रचनात्मक लेखन

प्र.1. निम्नलिखित वाक्यों से क्रिया विशेषण छाँटकर, भेद का नाम भी लिखिए।

(क) ईश्वर सर्वत्र है। (ख) वह व्यर्थ बोलता है।

(ग) इधर-उधर क्या देखते हो? (घ) झटपट काम करो।

(ङ) थोड़ा खाओ।

प्र.2. रिक्त स्थानों की पूर्ति निर्देशानुसार कीजिए।

(क) तुम उस .... में क्या जानते हो? (संबंधबोधक द्वारा)

(ख) .... वर्षा तो हुई .... गरमी शांत नहीं हुई। (समुच्चय बोधक द्वारा)

(ग) .... कितनी बदबू है। (विस्मयादिबोधक द्वारा)

(घ) लालकिले .... तिरंगा फहरा रहा है। (संबंध बोधक द्वारा)

(ङ) .... क्या तस्वीर बनाई है। (विस्मयादिबोधक द्वारा)

प्र.3. शिमला की ऊँची-ऊँची पहाड़ियाँ और उनके बीच से जाता संकरा लम्बा रास्ता उस पर आपकी गाड़ी तेजी से दौड़ी जा रही थी। अचानक आपने एक व्यक्ति को चिल्लाते हुए सुना जो सहायता के लिए चिल्ला रहा था। शायद कोई दुर्घटना घटी थी। आप उतरे, वहाँ तक पहुँचे और तभी .... लेख पूरा कीजिए।

Module – 14

बुद्धचरित – महापरिनिर्वाण

प्र.1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) .... सामंतों ने जब सुना कि भगवान बुद्ध .... के उद्यान में विराजमान हैं।

(ख) महामुनि .... में .... सरोवर के तट पर वृक्ष के नीचे बैठे थे।

(ग) बुद्ध ने .... से कहा कि .... के मल्ल लोगों को सूचित कर दो।

(घ) भगवान बुद्ध का जन्म .... पूर्णिमा को हुआ था तथा उसी दिन उन्हें .... प्राप्त हुआ।

(ङ) भगवान बुद्ध के प्रिय शिष्य का नाम .... था उसने अपने गुरु को ....दंडवत प्रणाम किया।

प्र.2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) मार ने बुद्ध से क्या कहा?

(ख) आनंद के दुखी होने पर बुद्ध ने उसे क्या समझाया?

(ग) बुद्ध की चिता में आग क्यों नहीं लग रही थी?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

मुहावरे, लोकोक्तियाँ तथा अनुच्छेद

प्र.1. निम्नलिखित कथनों के लिए उपयुक्त मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ लिखिए।

(क) कार्यालयों में काम बहुत धीमी गति से होता है।
(ख) यह तो अति सरल काम है।
(ग) इतना बढ़ा-चढ़ा कर क्यों सुना रहे हो?
(घ) अवसर बीतने पर पछताना व्यर्थ है।
(ङ) जो सच्चाई के रास्ते पर है, उसे डर नहीं।
(च) दूर की बातें अच्छी लगती हैं।

प्र.2. निम्नलिखित मुहावरों तथा लोकोक्तियों के वाक्य इस प्रकार बनाएँ कि अर्थ स्पष्ट हो जाए।

(क) ज़मीन आसमान एक कर देना। (ख) मिट्टी में मिला देना।
(ग) बात का बतंगड़ बना देना। (घ) धोबी का कुत्ता घर का न घाट का।
(ङ) एक अनार सौ बीमार

प्र.3. 'वर्तमान राजनीति में महिलाओं का योगदान' इस विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

Module – 15

सूरदास के पद

प्र.1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-

मैया कबहिं बढ़ैगी चोटी?
किती बार मोहि दूध पिबत भई, यह अजहूँ है छोटी।
तू जो कहति बल की बेनी ज्यौं है लांबी - मोटी।
काढ़त - गुहत न्हवावत जैहै, नागिनी सी भुइँ लोटी
काँचौ दूध पियावत पचि-पचि, देति न माखन - रोटी।

(क) प्रस्तुत पद्यांश की कविता और कवि का नाम है -
(*i*) ध्वनि, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (*ii*) कबीर की साखियाँ, कबीर
(*iii*) सुदामा चरित, नरोत्तमदास (*iv*) सूर के पद, सूरदास

(ख) कृष्ण ने माता यशोदा से अपनी चोटी के विषय में क्या शिकायत की?
(*i*) चोटी बहुत लंबी है। (*ii*) चोटी बहुत मोटी है।
(*iii*) चोटी बहुत पतली है। (*iv*) चोटी बहुत छोटी है।

(ग) प्रस्तुत पद के अनुसार बाल-कृष्ण की तीन विशेषताएँ लिखिए।
(*i*) लंबे, मोटे और शैतान (*ii*) भोले, प्यारे और स्नेही
(*iii*) क्रोधी, शैतान और लड़ाकू (*iv*) स्वार्थी, चालाक और शैतान

(घ) उपर्युक्त पद्यांश की भाषा है-
(*i*) ब्रज (*ii*) अवधि

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(*iii*) संस्कृत (*iv*) देवनागरी

<u>वाक्य विचार तथा पत्र लेखन (अनौपचारिक)</u>

प्र.1. निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए –

(क) पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है। (प्रश्नार्थक)
(ख) वह सबसे झगड़ा करता है। (निषेधार्थक)
(ग) तुम जाते हो। (आज्ञार्थक)
(घ) रमेश प्रथम आया है। (विस्मयादिबोधक)
(ङ) आज वर्षा होगी। (संदेहार्थक)

प्र.2. निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य और विधेय छाँटिए।

(क) भारत के प्रधानमंत्री विदेश यात्रा पर जा रहे हैं।
(ख) मशीनों के धुएँ ने वातावरण दूषित कर दिया।
(ग) सुनीता का बड़ा भाई विदेश से कल आएगा।
(घ) पीली साड़ी पहनी महिला ने समारोह में मधुर गीत गाया।
(ङ) मज़दूर पेड़ काट रहा है।

प्र.3. समाज में हो रही बुज़ुर्गों की हत्या से अवगत कराते हुए तथा समझाते हुए अपने दादाजी को पत्र लिखिए।

<u>Module – 16</u>

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ़ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा। वह टायरों की हालत जानते हैं फिर भी जान हथेली पर लेकर इसी बस से सफर कर रहे हैं। <u>उत्सर्ग की ऐसी भावना दुर्लभ है</u>। सोचा, इस आदमी के साहस और बलिदान भावना का सही उपयोग नहीं हो रहा है। इसे तो किसी क्रांतिकारी आंदोलन का नेता होना चाहिए। अगर बस नाले में गिर जाती और हम सब मर जाते तो देवता बाँह पसारे उसका इंतजार करते।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।
(ख) लेखक ने किसके बारे में तथा क्या सोचा?
(ग) रेखांकित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
(घ) गद्यांश से एक मुहावरा छाँट कर उसका वाक्य प्रयोग कीजिए।

प्र.2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) बस को देखकर लेखक के मन में क्या विचार उमड़े?
(ख) लेखक ने बस की तुलना सविनय अवज्ञा आंदोलनों से क्यों की?
(ग) लेखक ने बस की तुलना वृद्धा से करते हुए क्या कहा?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

पत्र (औपचारिक, अनौपचारिक)

प्र.1. डाकिए के दुर्व्यवहार की शिकायत करते हुए अपने क्षेत्र के डाकपाल को पत्र लिखिए।

प्र.2. अपने मित्र को वार्षिक परीक्षा के लिए शुभकामनाएँ देते हुए पत्र लिखिए।

Module – 17

बुद्धचरित (पुनरावृत्ति)

प्र.1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) भगवान बुद्ध के उपदेशों को संग्रह करने का भार किसे सौंपा गया और क्यों?

(ख) वेणुवन में दीक्षा किसने दी और क्यों?

(ग) बुद्ध पूर्णिमा क्यों मनाई जाती है।

(घ) आम्रपाली कौन थी? बुद्ध से उसकी भेंट कहाँ हुई?

प्र.2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) बुद्ध की अस्थियों को .... में रखा गया। इन अवशेषों को .... भागों में बाँटा गया।

(ख) अंतिम संदेश देकर सत्य के .... और साधना में मध्यम मार्ग के प्रवर्तक महात्मा बुद्ध .... के अथाह सागर में विलीन हो गए।

(ग) बुद्ध ने अपने .... धर्म में .... सहित पाँचों भिक्षुओं तथा अन्य मुनियों को दीक्षित किया।

(घ) .... को पकड़ने के लिए .... ने सैनिक तैनात कर दिए।

पत्र-अनुच्छेद लेखन

प्र.1. अपने विद्यालय की प्रधानाचार्या को शुल्क माफ़ी के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

प्र.2. छोटे भाई को समय का महत्त्व बताते हुए पत्र लिखिए।

प्र.3 'प्राकृतिक संसाधन का बढ़ता दुरुपयोग' विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

Module – 18

वार्षिक परीक्षा के पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

आदर्श प्रश्न–पत्र वार्षिक परीक्षा

समय : 2 घण्टे 30 मिनट अधिकतम अंक : 80

निर्देश :-

(क) इस प्रश्न–पत्र के चार खंड हैं – 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'

(ख) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ग) यथासंभव प्रश्नों के, उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड 'क'

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

यदि हम निरंतर प्रयत्न करेंगे तो निश्चय ही अपने सभी लक्ष्यों को प्राप्त कर लेंगे किंतु प्रायः देखा जाता है कि अधिक आशावादी लोग थोड़ा सा प्रयत्न करके अधिक फल की कामना करते है और मनोवांछित फल प्राप्त न होने पर निराश हो जाते हैं। अतः जीवन मे सफलता प्राप्त करने के लिए परिस्थितियों के समक्ष घुटने न टेकें, बल्कि हिम्मत से उनका मुकाबला करें। याद रखें जितना कठोर हमारा प्रयत्न होगा उसका फल उतना ही मीठा होगा।

(क) लक्ष्य प्राप्ति के लिए क्या किया जाना चाहिए? (1)

(*i*) आशा छोड़ दे (*ii*) मुकाबला न करें (*iii*) निराशा हो जाएँ (*iv*) निरंतर प्रयत्न करें

(ख) जीवन में सफलता कैसे प्राप्त करनी चाहिए? (1)

(*i*) हार मानकर (*ii*) थोड़ा सा प्रयत्न कर

(*iii*) परिस्थितियों के समक्ष घुटने टेककर (*iv*) परिस्थितियों के समक्ष घुटने न टेककर

(ग) आशावादी लोगों की क्या विशेषता होती है? (1)

(*i*) निराश हो जाते है (*ii*) घुटने टेक देते हैं

(*iii*) स्वार्थी हो जाते हैं

(*iv*) थोड़ सा प्रयत्न करके अधिक फल की कामना करते हैं

(घ) मुहावरा छाँटकर लिखें – (1)

(*i*) निरंतर प्रयत्न करना (*ii*) घुटने न टेकना

(*iii*) फल की कामना करना (*iv*) निराश होना

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है – (1)

(*i*) लक्ष्य प्राप्ति (*ii*) मुकाबला

(*iii*) प्रयत्न (*iv*) आशावादी के घुटने

(च) 'सफलता' शब्द में प्रत्यय है – (1)

(*i*) फल (*ii*) लता (*iii*) ता (*iv*) स

(छ) 'मीठा' का विलोम है – (1)

(*i*) कठोर (*ii*) खट्टा (*iii*) कड़वा (*iv*) नमकीन

(ज) 'प्रयत्न' का पर्यायवाची है – (1)

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(i) फल (ii) कामना (iii) निश्चय (iv) कोशिश

(झ) 'हिम्मत' का सही वर्ण विच्छेद है – (1)

(i) ह् + इ + म् + म् + त् + आ (ii) ह् + ई + म् + म + त् + अ

(iii) ह् + इ + म् + म् + अ + त् + अ (iv) ह + इ + म् + त् + अ

(ञ) निरंतर शब्द का अर्थ है – (1)

(i) कोशिश (ii) लगातार (iii) हिम्मत (iv) समक्ष

खंड 'ख'

प्र.2. परीक्षा के दिन मेरी नींद से आँख देर से खुली, जब मैं परीक्षा भवन पहुँचा तब .... (रचनात्मक लेखन पूर्ण कीजिए) (5)

अथवा

वर्तमान युग में मानव-जीवन पर 'इंटरनेट का बढ़ता प्रभाव' विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

प्र.3. अपने विद्यालय की ओर से 'विश्व पुस्तक मेला (प्रगति मैदान)' देखने जाने की अनुमति हेतु प्रधानाचार्या को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं से अवगत कराते हुए, अपने छोटे भाई को ध्यानपूर्वक चलने का निर्देश देते हुए पत्र लिखिए।

खंड 'ग'

प्र.4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक में दिए निर्देशों को पढ़कर दीजिए।

(क) हाथ, बड़बड़ (नाम धातु क्रिया बनाइए) (2)

(ख) जो कम खर्च करे, जानने की इच्छा रखनेवाला (अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखें) (2)

(ग) राम तेज़ी से चोर के पीछे भागा। (क्रिया विशेषण छाँटकर भेद का नाम भी लिखिए) (1)

(घ) कामदेव, पक्षी (दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए) (2)

(ङ) अतिवृष्टि, दुराग्रह (विलोम शब्द लिखिए) (2)

प्र.5. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(क) बच्चे दौड़ रहे हैं।
राम फल खाता है। (कर्म के आधार पर क्रिया के भेद बताइए क्रिया रेखांकित करते हुए) (2)

(ख) नीलकंठ, पंजाब (समस्तपदों का विग्रह करके समास का नाम बताइए।) (2)

(ग) चिड़िया को मारने वाला, जल और वायु (समस्त पद बनाइए) (2)

(घ) कान का कच्चा,
मान न मान मैं तेरा मेहमान (मुहावरे व लोकोक्ति के वाक्य प्रयोग कीजिए) (2)

(ङ) सु + अच्छ, यथा + उचित (संधि कीजिए) (2)

(च) वार्षिकोत्सव, व्याकुल (संधि विच्छेद कीजिए) (2)

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(छ) मोतीलाल का भाई हीरालाल विदेश गया है। (उद्देश्य, विधेय छाँटिए) (1)

प्र.6. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित अव्यय से कीजिए। (2)

(क) .... लोगों की भीड़ जमा है।

(ख) सर्दी .... वह ठिठुर रहा था।

(ग) .... क्या चित्र बनाया।

(घ) पढ़ लो .... फेल हो जाओगे।

प्र.7. कोष्ठक में दिए गए भेद के अनुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए। (2)

(क) राम बहुत दयालु है। (विस्मयादिवाचक वाक्य)

(ख) घंटी बजी और छात्र चले गए। (संदेहार्थक वाक्य)

खंड 'घ'

प्र.8. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

हम तो केवल यह आँकते हैं
कि एक देश की धरती
दूसरे देश को सुगंध भेजती है।
और वह सौरभ हवा में तैरते हुए
पक्षियों की पाँखों पर तिरता है
और एक देश का भाप
दूसरे देश में पानी
बनकर गिरता है।

(क) प्रस्तुत पद्यांश के कवि और कविता का नाम है – (1)

(*i*) ध्वनि, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (*ii*) भगवान के डाकिए, रामधारी सिंह 'दिनकर'
(*iii*) सुदामा चरित, नरोत्तमदास (*iv*) सूर के पद, सूरदास

(ख) एक देश की धरती दूसरे देश को भेजती है – (1)

(*i*) हवा (*ii*) भाप (*iii*) पानी (*iv*) सुगंध

(ग) एक देश का भाप दूसरे देश में क्या बनकर गिरता है – (1)

(*i*) पानी (*ii*) पेड़ (*iii*) पहाड़ (*iv*) पौधा

(घ) 'सुगंध' का विलोम है – (1)

(*i*) गंध (*ii*) दुर्गंध (*iii*) सुगंधि (*iv*) सुंदरता

(घ) 'पाँखों' का अर्थ है – (1)

(*i*) पक्षियों (*ii*) पेड़ों (*iii*) पौधों (*iv*) पंखों

(घ) 'देश' शब्द में उपसर्ग लगाने से बनता है – (1)

(*i*) देशी (*ii*) विदेशी (*iii*) विदेश (*iv*) देशज

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

प्र.9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

एक दिन मेरे जी में आया कि मैं समुद्र के ऊपर तो बहुत घूम चुकी हूँ, भीतर चलकर भी देखना चाहिए कि क्या है? इस कार्य के लिए मैंने गहरे जाना प्रारंभ कर दिया। मार्ग में मैंने विचित्र-विचित्र जीव देखे। मैंने अत्यंत धीरे-धीरे रेंगने वाले घोंघे, जालीदार मछलियाँ, कई-कई मन भारी कछुवे और हाथोंवाली मछलियाँ देखीं। एक मछली ऐसी देखी जो मनुष्य से कई गुना लंबी थी। उसके आठ हाथ थे। वह इन हाथों से अपने शिकार को जकड़ लेती थी।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए। (1)

(ख) यहाँ किसके आने की बात की गई है और क्या बात है? (2)

(ग) पानी के अंदर क्या-क्या देखा गया है? (2)

(घ) अर्थ लिखें - विचित्र, जीव (1)

प्र.10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए - (3 × 3 = 9)

(क) कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों कहा है?

(ख) बिलवासी जी ने रुपयों का प्रबंध कैसे व कहाँ से किया था?

(ग) श्री कृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या-क्या सोच रहे थे?

(घ) बस को देखकर लेखक के मन में क्या विचार उमड़ पड़े?

प्र.11. पाठ व लेखक का नाम लिखते हुए आशय स्पष्ट कीजिए - (2 × 2 = 4)

(क) लाला झाऊलाल ने दो और दो जोड़ स्थिति को समझ लिया।

(ख) मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ पहली बार श्रद्धा भाव से देखा।

प्र.12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'बुद्ध चरित' पुस्तक के आधार पर दीजिए। (1×5 = 5)

(क) कौशल की राजधानी का क्या नाम था?

(ख) वेणुवन में घंटा टाँगने का क्या कारण था?

(ग) महात्मा बुद्ध का अंतिम शिष्य कौन था?

(घ) बुद्ध पूर्णिमा क्यों मनाई जाती है?

(ङ) बुद्ध को मिलने वाला कुल पुत्र कौन था?

प्र.13. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (3)

(क) .... सामंतों ने सुना कि भगवान बुद्ध .... के उद्यान में विराजमान हैं।

(ख) .... को पकड़ने के लिए .... ने सैनिक तैनात कर दिए।

(ग) बुद्ध ने .... से कहा कि .... के मल्ल लोगों को सूचित कर दो।

प्र.14. किसने, किससे कहा - (2)

(क) "आप तो मुझे दीर्घकाल से जानते हैं।"

(ख) "बहुत दिनों पहले तुम घर से निकले थे।"

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

आदर्श प्रश्न-पत्र वार्षिक परीक्षा
(हल सहित)

समय : 2 घण्टे 30 मिनट **अधिकतम अंक : 80**

निर्देश :-

(क) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं – 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
(ख) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(ग) यथासंभव प्रश्नों के, उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड 'क'

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

पुस्तकों का महत्त्व तथा मूल्य रत्नों से भी अधिक है क्योंकि रत्न बाहरी चमक-दमक दिखाते हैं, जबकि पुस्तकें हृदय को उज्ज्वल करती हैं। अच्छी पुस्तकें मनुष्य को पशु से देवता बनाती हैं। उसकी सात्विक वृत्तियों को जाग्रत कर, उसे पथ-भ्रष्ट होने से बचाती हैं। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य, समाज तथा राष्ट्र का मार्ग-दर्शन करती हैं। पुस्तकों का हमारे मन-मस्तिष्क पर स्थायी प्रभाव पड़ता है।

(क) पुस्तकों को रत्नों से भी अधिक मूल्यवान क्यों माना गया हैं? (1)

(*i*) पुस्तकें चमक-दमक दिखाती हैं (*ii*) पशु को मनुष्य बनाती हैं
(*iii*) पुस्तकें रोजगार दिलाती हैं (*iv*) मन मस्तिष्क पर प्रभाव नहीं डालती

(ख) अच्छी पुस्तकें मानव जीवन में क्या परिवर्तन लाती हैं? (1)

(*i*) पशु को मनुष्य बनाती हैं (*ii*) मनुष्य को पशु बनाती हैं
(*iii*) मनुष्य को साधु बनाती हैं (*iv*) मनुष्य को पशु से देवता बनाती हैं

(ग) राष्ट्र और समाज के निर्माण में श्रेष्ठ पुस्तकों की क्या भूमिका है? (1)

(*i*) मनुष्य, समाज तथा राष्ट्र का मार्ग दर्शन करती हैं
(*ii*) श्रेष्ठ पुस्तकों की बिक्री बढ़ जाती है
(*iii*) मनुष्य, पशु और राष्ट्र का मार्ग दर्शन करती हैं
(*iv*) हृदय को पीड़ित करती है

(घ) पुस्तकों का महत्त्व किससे अधिक है – (1)

(*i*) हृदय से (*ii*) रत्नों से (*iii*) मनुष्य से (*iv*) समाज से

(ङ) श्रेष्ठ शब्द का अर्थ है – (1)

(*i*) स्थायी (*ii*) उज्ज्वल (*iii*) अच्छी (*iv*) उत्तम

(च) समाज और राष्ट्र में प्रत्यय लगाकर सही शब्द चुनिए – (1)

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(*i*) समाजिक राष्ट्र (*ii*) राष्ट्रीय, समाज
(*iii*) सामाजिकता, राष्ट्रीयता (*iv*) सामाजिक, राष्ट्रीय

(छ) उपर्युक्त गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक लिखिए। (1)

(*i*) पुस्तकों का महत्तव (*ii*) रत्नों का महत्तव
(*iii*) मन-मस्तिष्क पर प्रभाव (*iv*) उज्ज्वल हृदय

(ज) 'सात्विक' शब्द का विलोम है - (1)

(*i*) जागृति (*ii*) तामसिक (*iii*) वृत्तियाँ (*iv*) तमस

(झ) प्रभाव शब्द में उपसर्ग है - (1)

(*i*) भाव (*ii*) व (*iii*) प्र (*iv*) प्रभा

(ञ) उज्ज्वल का सही वर्ण विच्छेद है - (1)

(*i*) उ + ज् + ज् + व् + ल
(*ii*) उ + ज् + ज + व् + ल् + अ
(*iii*) उ + ज् + ज् + व् + अ + ल् + अ
(*iv*) ऊ + ज् + ज् + व् + ल

खंड 'ख'

प्र.2. वर्षा के दिन थे, मैं और मेरी छोटी बहन बाज़ार घूमने गए अचानक तेज आँधी आई, मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था, मेरी आँखे खुली तो मैं हैरान रह गई और मैने देखा .... (रचनात्मक लेख पूर्ण कीजिए) (5)

अथवा

"मधुर वचन है औषधि" इस विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

प्र.3. अपने विद्यालय में खेल का सामान उपलब्ध कराने हेतु अपनी प्रधानाचार्या को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

समाज में बढ़ते हुए भ्रष्टाचार के बारे में बताते हुए तथा समझाते हुए छोटी बहन को पत्र लिखिए।

खंड 'ग'

प्र.4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक में दिए निर्देशों को पढ़कर दीजिए।

(क) रंग, झूठ (नाम धातु क्रिया बनाइए) (2)
(ख) हाथ से लिखा हुआ, शरण में आया हुआ (अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए) (2)
(ग) बच्चे ध्यानपूर्वक पढ़ते हैं। (क्रिया विशेषण छाँटकर भेद का नाम भी लिखिए) (1)
(घ) आरोह, अनुरक्त (विलोम शब्द लिखिए) (2)
(ङ) हाथी, पहाड़ (दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।) **(2)**

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

प्र.5. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(क) बच्चे क्रिकेट खेलते हैं। (क्रिया रेखांकित करते हुए कर्म के आधार पर क्रिया के भेद बताइए) (2)

(ख) आम का पेड़ खड़ा है।

(ग) समस्तपदों में विग्रह करके समास का नाम बताइए। (2)

दशानन, दाल-रोटी

(घ) मृग के समान नेत्रो वाली, उद्योग का पति (समस्त पद बनाइए) (1)

(ङ) मुहावरे व लोकोक्ति का वाक्य प्रयोग कीजिए। (2)

दाल में कुछ काला होना, जिसकी लाठी उसकी भैंस

(च) चन्द्र + उदय, मत + अनुसार (संधि कीजिए) (2)

(छ) उपर्युक्त , महौषध (संधि विच्छेद कीजिए) (2)

(ज) बालक एकलव्य ने अपना अँगूठा द्रोणाचार्य को गुरु दक्षिणा में दे दिया। (उद्देश्य, विधेय छाँटियें) (1)

प्र.6. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित अव्यय से कीजिए। (2)

(क) पेड़ .... छाया का आनंद लो।

(ख) घर .... एक बगीचा है।

(ग) गर्मी .... बुरा हाल है।

(घ) .... तुम आ गए ।

प्र.7. कोष्ठक में दिए गए वाक्य के भेद के अनुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए। (2)

(क) उसने खाना खाया और वह सो गया। (सरल वाक्य)

(ख) हम इस वर्ष घूमने जाएँगें। (संदेहार्थक वाक्य)

खंड 'घ'

प्र.8. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

तेरैं लाल मेरो माखन खायौ।
दुपहर दिवस जानि घर सूनो, ढूँढ़ि-ढ़ँढ़ोरि आपहि आयौ
खोलि किवारि पैठि मन्दिर मैं, दूध-दही सब सखिन खवायौ
ऊखल चढ़ि सींके कौ लीन्हौ, अनभावत भुइँ मैं ढरकायौ

(क) प्रस्तुत पद्यांश के कवि तथा कविता का नाम है - (1)

(*i*) कबीर, कबीर की साखियाँ (*ii*) रामधारी सिंह 'दिनकर', भगवान के डाकिए
(*iii*) सूरदास, सूर के पद (*iv*) नरोत्तमदास, सुदामा चरित

(ख) ग्वालिन कृष्ण की क्या शिकायत करती हैं? (1)

(*i*) कृष्ण माखन खा जाता है (*ii*) (*i*) और (*iii*) दोनों
(*iii*) दूध पी जाता है (*iv*) ग्वालों के संग खेलता है

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(ग) 'लाल' का पर्यायवाची शब्द है (1)

(*i*)पुत्र (*ii*) लाला (*iii*) पिता (*iv*) ग्वाला

(घ) ऊखल पर चढ़कर कृष्ण क्या लेने की कोशिश करता है – (1)

(*i*)रोटी (*ii*) दूध (*iii*) सींके को (*iv*) बाँसुरी

(ङ) कृष्ण दिन प्रतिदिन किसकी हानि करता है – (1)

(*i*)ऊखल की (*ii*) रोटी की (*iii*) गोरस की (*iv*) माखन की

(च) 'दिवस' का विलोम शब्द है – (1)

(*i*)दिन (*ii*) मंदिर (*iii*) घर (*iv*) रात्रि

प्र.9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ़ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा। वह टायरों की हालत जानते हैं फिर भी जान हथेली पर लेकर इसी बस से सफर कर रहे हैं। उत्सर्ग की ऐसी भावना दुर्लभ है। सोचा इस आदमी के साहस और बलिदान भावना का सही उपयोग नहीं हो रहा है। इसे तो किसी क्रांतिकारी आंदोलन का नेता होना चाहिए। अगर बस नाले में गिर जाती और हम सब मर जाते तो देवता बाँह पसारे उसका इंतजार करते।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए। (1)

(ख) लेखक ने किसके बारे में तथा क्या सोचा? (2)

(ग) गद्यांश से एक मुहावरा छाँट कर उसका वाक्य प्रयोग कीजिए। (2)

(घ) 'दुर्लभ' शब्द का विलोम लिखें – (1)

प्र.10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए – (3 × 3 = 9)

(क) समुद्र के तट पर बसे नगरों में अधिक ठंड और अधिक गरमी क्यों नहीं पड़ती?

(ख) "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है"– इस कथन से कवि का क्या आशय है?

(ग) अंग्रेज ने यह पुराना लोटा क्यों खरीद लिया?

(घ) "तैं ही पूत अनोखो जायौ" पंक्ति में ग्वालिन के मन में कौन-कौन से भाव मुखरित हो रहे हैं?

प्र.11. पाठ व लेखक का नाम लिखते हुए आशय स्पष्ट कीजिए – (2 × 2 = 4)

(क) "उत्सर्ग की ऐसी भावना दुर्लभ है"

(ख) अपने वेग में उल्का को लजाता हुआ वह आँखों से ओझल हो गया।

प्र.12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (1 × 5 = 5)

(क) बुद्ध की चिता में आग क्यों नहीं लग रही थी?

(ख) महात्मा बुद्ध के उपदेश का अंगुलिमाल पर क्या असर पड़ा?

(ग) बुद्ध के अवशेषों को कितने भागों में बाँटा गया?

(घ) बुद्ध के पार्थिव शरीर को कहाँ ले गए?

(ङ) मार ने बुद्ध से क्या कहा?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

प्र.13. रिक्त स्थान भरिए – (1 × 3 = 3)

(क) भगवान बुद्ध का जन्म .... पूर्णिमा को हुआ था तथा उसी दिन उन्हें .... प्राप्त हुआ।

(ख) जब .... ने भूमि की प्रभूत धनराशि प्रदान की। वन का स्वामी .... था।

(ग) राजकुमार .... पात्र में जल लेकर आए। उन्होंने .... की भी चर्चा की।

प्र.14. किसने, किससे कहा – (2)

(क) "मैं अपनी प्रतिज्ञा पूरी कर चुका हूँ। आज से तीसरे मास मैं निर्वाण प्राप्त करूँगा।

(ख) "आप तो मुझे दीर्घकाल से जानते हैं।"

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

आदर्श प्रश्न–पत्र वार्षिक परीक्षा
(हल)

खंड 'क'

उ०1 पठित गद्यांश

उत्तर (क) पशु को मनुष्य बनाती हैं
(ख)मनुष्य को पशु से देवता बनाती हैं
(ग) मनुष्य, समाज तथा राष्ट्र का मार्ग दर्शन करती हैं
(घ)रत्नों से
(ङ) उत्तम
(च)सामाजिकता, राष्ट्रीयता
(छ) पुस्तकों का महत्त्व
(ज)तामसिक
(झ) प्र
(ञ)उ + ज् + ज् + व् + अ + ल् + अ

खंड 'ख' (लेखन)

उ०2

मनुष्य मधुरभाषी प्राणी है। मधुर भाषा ने उसे सामाजिक प्राणी बना दिया। मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जो बोलकर अपनी भावनाओं को प्रकट कर सकता है। वाणी द्वारा हम दूसरे लोगों को प्रभावित कर सकते हैं। स्वाभाविक मधुर वाणी से अपना मित्र बना सकते हैं। मधुर वचन में बड़ी शक्ति होती है। इसके विपरीत कड़वे बोलों में विनाश का विष होता है। कठोर वचन सुनकर दूसरे लोग शत्रु बन जाते हैं। शत्रु बनाने का कार्य विनाश-कार्य ही होता है। वास्तव में मधुर वचन से शत्रु भी सखा बन जाते हैं। मधुर भाषा मेल–मिलाप और प्रेम से परिपूर्ण होती है। मधुरभाषी व्यक्ति सबका प्रिय बन जाता है। इससे व्यक्ति का स्वभाव शांतिप्रिय हो जाता है और वह सबका सम्मान करने वाला शिष्ट पुरुष बन जाता है। इसके विपरीत कड़वे वचन से व्यक्ति अहंकारी और अशिष्ट हो जाता है। उस व्यक्ति को कोई पसंद नहीं करता। सब उससे दूर रहते हैं। अतः हमें मधुर वचन बोलने की आदत डालनी चाहिए क्योंकि यह सफलता और लोकप्रियता की कुंजी है।

उ०3

सेवा में,
प्रधानाचार्या जी
दिल्ली पब्लिक स्कूल
इन्दिरापुरम, गाज़ियाबाद
विषयः खेल का सामान उपलब्ध कराने हेतु प्रार्थना पत्र।

महोदया,
मैं विद्यालय के खेल प्रतिनिधि के रूप में सभी विद्यार्थियों की ओर से नम्र निवेदन करता हुआ विद्यालय में खेल के सामान की अनुपलब्धता से आपको अवगत कराना चाहता हूँ।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

खेल के घंटे में तथा विद्यालय लगने से पहले और बाद में हम बच्चे खेलना चाहकर भी सामान की कमी के कारण खेल नहीं पाते हैं। इस संबंध में खेल अध्यापक अपनी असमर्थता व्यक्त करते हैं। अतः आपसे अनुरोध है कि खेल अध्यापकों से सही स्थिति और आवश्यकता जानकर यथाशीघ्र हम विद्यार्थियों को खेल का सामान उपलब्ध कराएँ। हम सभी आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद सहित

आपका आज्ञाकारी
क. ख. ग.
(खेल प्रतिनिधि)
3 जनवरी 2011

खंड 'ग'

उ०4

(क) रंगना, झुठलाना (ख)हस्तलिखित, शरणागत
(ग) ध्यानपूर्वक – रीतिवाचक क्रिया विशेषण (घ)अवरोह, विरक्त
(ङ) (*i*) हस्ती, गज (*ii*) गिरि, पर्वत (छ)गिरि, पर्वत

उ०5

(क) (*i*) खेलते हैं – सकर्मक क्रिया (*ii*) खड़ा है – अकर्मक क्रिया
(ख) दस है आनन जिसके अर्थात् रावण – बहुव्रीहि समास
दाल और रोटी – द्वंद्व समास
(ग) मृगनयनी, उद्योगपति
(घ) संदेह होना – सुरेश ने रामलाल के साथ साझेदारी तो कर ली लेकिन दफ़्तर के कामों को देखकर उसे दाल मेंकुछ काला दिखाई दिया।
शक्तिशाली व्यक्ति की विजय होती है – राम गलत कार्य करके भी श्याम पर ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाकर दबाने का प्रयास कर रहा था। यह तो वही बात हुई जिसकी लाठी उसकी भैंस।
(ङ) चंद्रोदय, मतानुसार
(च) उपरि + उक्त, महा + औषध
(छ) उद्देश्य – बालक एकलव्य ने, विधेय – अपना अँगूठा द्रोणाचार्या को गुरु दक्षिणा में दे दिया।

उ०6

(क) पेड़ के नीचे छाया का आनंद लो। (ख) घर के पीछे एक बगीचा है।
(ग) गर्मी के मारे बुरा हाल है। (घ) अरे! तुम आ गए ।

उ०7

(क) वह खाना खा कर सो गया। (ख) शायद हम इस वर्ष घूमने जाएँगे।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

खंड 'घ'

उ०8

उत्तर (क) सूर के पद, सूरदास
(ख) (ग) और (गगग) दोनों
(ग) पुत्र
(घ) सीकें को
(ङ) पुत्र
(च) गोरस की
(छ) रात्रि

उ०9

(क) पाठ का नाम - बस की यात्रा
लेखक का नाम- हरिशंकर परसाई

(ख) लेखक ने बस-कंपनी के हिस्सेदार के बारे में श्रद्धापूर्वक सोचा कि वे इतनी जर्जर बस में जान हथेली पर रखकर सफ़र कर रहे हैं, उन्हें तो किसी क्रांतिकारी आंदोलन का नेता होना चाहिए।

(ग) जान हथेली पर लेकर चलना- देशभक्त अपनी जान हथेली पर लेकर चलते हैं और किसी भी विपत्ति से टकरा जाते हैं।

(घ) सुलभ

उ०10

(क) समुद्र में मौजूद जल अपने आस-पास के स्थानों की जलवायु को प्रभावित करता है। जल अपने आस-पास का तापमान न अधिक बढ़ने देता है और न अधिक घटने देता है। यही कारण है कि समुद्र के तट पर बसे नगरों में अधिक ठंड और अधिक गर्मी नहीं पड़ती है।

(ख) प्रस्तुत पंक्ति से कवि यह कहना चाहते हैं कि प्रकृति के लिए सभी मनुष्य समान हैं। अपने-पराए की भावना तो मनुष्य रखते हैं। प्रकृति तो मनुष्य को एक समान दृष्टि से देखती है। वह प्रेम, एकता एवं सद्भाव की संदेश रूपी सुगंध दूसरे देश को भी भेजती है जिससे प्रत्येक मनुष्य में मनुष्यता का विकास हो।

(ग) लाला झाऊलाल की पत्नी ने उनसे ढाई सौ रुपए की माँग की तो वे विपत्ति में फँस गए। उन्होंने अपने मित्र बिलवासी मिश्र से अपनी समस्या बताई। बिलवासी मिश्र ने एक साधारण-से लोटे को 'अकबरी लोटा' बताकर उसकी महिमा का ऐसा गुणगान किया कि अंग्रेज बहुत प्रभावित हुआ। उसने उसे अकबर का ऐतिहासिक लोटा समझकर खरीद लिया।

(घ) इस पंक्ति में व्यंग्य और उपालंभ के भाव प्रकट हो रहे हैं। गोपियाँ कृष्ण की शैतानियों से परेशान हो चुकी हैं। वे यशोदा को उलाहना देती हैं। वे शिकायत करती हैं और उन पर व्यंग्य भी करती हैं। परेशान होकर वे यशोदा से कहती हैं कि तुम्हारा ही पुत्र अनोखा पैदा हुआ है, जो रोज़ नुकसान करता रहता है। अन्य किसी का पुत्र तो इस प्रकार दूसरों के घर जाकर उत्पात नहीं मचाता।

उ०11 (क) पाठ का नाम - बस की यात्रा लेखक का नाम - हरिशंकर परसाई

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

प्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई द्वारा रचित इन पंक्तियों का आशय यह है कि बलिदान होने के जैसी भावना उन्होंने बस-कंपनी के हिस्सेदार में देखी, वैसी भावना मिलनी कठिन है। वे कितने महान हैं जो केवल एक टायर के लिए अपने प्राण दे सकते हैं।

(ख) पाठ का नाम - अकबरी लोटा लेखक का नाम - अन्नपूर्णानंद वर्मा
उल्का आकाशीय पिण्ड होता है जो चमकता है नक्षत्र या ग्रह भी चमकते है किन्तु उल्का जलता हुआ पिंड धरती पर गिर जाता है। उसी प्रकार वह लोटा उल्का के समान लुढ़कता हुआ आँखों से दूर हो गया।

उ०12(क) बुद्ध के प्रिय शिष्य काश्यप अभी मार्ग में ही थे। उन्हीं के अभाव में चिता में आग नहीं लग पा रही थी।

(ख) अंगुलिमान हत्या जैसे अपराध त्याग कर उनका शिष्य बन गया।

(ग) बुद्ध के अवशेषों को आठ भागों में बाँटा गया।

(घ) माकुत बंधन

(ङ) आप बहुतों का उद्धार कर चुके हैं अब निर्वाण प्राप्त कीजिए।

उ०13(क) भगवान बुद्ध का जन्म वैशाख पूर्णिमा को हुआ था तथा उसी दिन उन्हें बुद्धत्व प्राप्त हुआ।

(ख) जब सुदत्त ने भूमि की प्रभूत धनराशि प्रदान की। वन का स्वामी जेतवन था।

(ग) राजकुमार अजातशत्रु पात्र में जल लेकर आए। उन्होंने पंचशीलों की भी चर्चा की।

उ०14(क) बुद्ध ने मार से कहा। (ख) बुद्ध ने शिष्यों से कहा।

❀❀❀

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

अपठित गद्यांश 01

समस्त ग्रंथों एवं ज्ञानी, अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है। हमें कर्म के लिए जीवन मिला है। कठिनाइयाँ एवं दुःख और कष्ट हमारे शत्रु हैं, जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है अंग्रेज़ी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने ठीक ही कहा है कि ''कायर अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते हैं किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं।''

विश्व के प्रायः समस्त महापुरुषों के जीवन-वृत्त, अमरीका के निर्माता जार्ज वाशिंगटन और राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से लेकर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन-चरित्र हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता, अपराजेय व्यक्तित्व है। इन महापुरुषों को जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परंतु वे घबराए नहीं, संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग में अकेला ही चलना पड़ता है। कोई बाहरी शक्ति सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छा-शक्ति व लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते है।

(क) इस अनुच्छेद का उपयुक्त शीर्षक दीजिए –

(*i*) जीवन-एक कर्मक्षेत्र (*ii*) सफलता का रहस्य (*iii*) संघर्ष और सफलता (*iv*) बढ़ते चलो

(ख) 'अपराजेय' का विलोम है –

(*i*) पराजेय (*ii*) पराजित (*iii*) अजय (*iv*) अजेय

(ग) अनुभवी जनों का कहना है <u>कि</u> जीवन एक कर्मक्षेत्र है – रेखांकित शब्द है –

(*i*) समुच्चयबोधक (*ii*) संबंधबोधक (*iii*) निपात (*iv*) क्रियाविशेषण

(घ) यह पाठ आपको क्या प्रेरणा देता है?

(*i*) संघर्ष की (*ii*) कर्म की (*iii*) शांति की (*iv*) मौज-मस्ती की

(ङ) वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते – का आशय है –

(*i*) वीर एक बार ही मरते है (*ii*) वीर पहली बार मर जाते हैं
(*iii*) वीर मर-मर कर नहीं जीते (*iv*) वीर अमर हो जाते हैं

अपठित गद्यांश 02

संसार के सभी देशों में शिक्षित व्यक्ति की सबसे पहली पहचान यह होती है कि वह अपनी मातृभाषा में दक्षता से काम कर सकता है। केवल भारत ही एक देश है जिसमें शिक्षित व्यक्ति वह समझा जाता है जो अपनी मातृभाषा में दक्ष हो या नहीं, किंतु अंग्रेज़ी में जिसकी दक्षता असंदिग्ध हो। संसार के अन्य देशों में सुसंस्कृत व्यक्ति वह समझा जाता है जिसके घर में अपनी भाषा की पुस्तकों का संग्रह हो और जिसे बराबर यह पता रहे कि उसकी भाषा के अच्छे लेखक और कवि कौन हैं तथा समय-समय पर उनकी कौन-सी कृतियाँ प्रकाशित हो रही हैं। भारत में स्थिति दूसरी है। यहाँ प्रायः घर में साज-सज्जा के आधुनिक उपकरण तो होते हैं किंतु अपनी भाषा की कोई पुस्तक या पत्रिका दिखाई नहीं पड़ती। यह दुरावस्था भले ही किसी ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है, किंतु वह सुदशा नहीं,

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

दुरावस्था ही है और जब तक यह दुरावस्था कायम है, हमें अपने-आप को, सही अर्थों में शिक्षित और सुसंस्कृत मानने का ठीक-ठीक न्यायसंगत अधिकार नहीं है।

(क) उपयुक्त शीर्षक लिखिए -

(*i*) शिक्षित व्यक्ति ही पहचान (*ii*) भारतीय शिक्षित की पहचान
(*iii*) मातृभाषा का तिरस्कार (*iv*) भारतीय शिक्षितों का अंग्रेज़ी-मोह

(ख) 'दुरावस्था' में कौन-सा उपसर्ग है -

(*i*) दु (*ii*) दुर् (*iii*) दुर (*iv*) आ

(ग) यहाँ किस ऐतिहासिक प्रक्रिया की ओर संकेत है?

(*i*) भारत में बढ़ते भौतिकवाद की ओर
(*ii*) भारत में मुसलमानों के आक्रमण की ओर
(*iii*) भारत में अंग्रेजों की गुलामी की ओर
(*iv*) भारत के लोगों की स्वार्थपरता की ओर

(घ) भारत में शिक्षित व्यक्ति किसे माना जाता है?

(*i*) जिसे हिंदी आती हो (*ii*) जिसे मातृभाषा आती हो
(*iii*) जिसे अंग्रेजी आती हो (*iv*) जिसने अंग्रेज़ी में पढ़ाई की हो

(ङ) संसार के अन्य देशों में सुसंस्कृत व्यक्ति किसे मानते हैं?

(*i*) जो संस्कृत जानता हो
(*ii*) जो स्वभाषा जानता हो
(*iii*) जिसके घरों में स्वभाषा की पुस्तकें हों
(*iv*) जिसे स्वभाषा, स्वसाहित्य और लेखकों से गहरा जुड़ाव हो

अपठित पद्यांश

निम्नलिखित पद्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

01. इंद्रदवेता कोटर में तोते से आकर यूँ बोले।
'सब' पक्षी उड़ गए यहाँ से तुमने पंख न खोले।
रहने लायक हरे वृक्ष देखो हैं कितने इस वन में?
सूख गया वट वृक्ष गिरेगा, सोच रहे हो क्या मन में?
तोता बोला, इंद्रदेव! मैंने कोटर में जन्म लिया।
वट के फल खाए, इसने रक्षा की, सम्मान दिया।।
सुख-संपत्ति के साथी, विपदा आए करें किनारा।
देवराज! अब स्वयं बताओ क्या कर्तव्य हमारा?
इंद्र हुए खुश, बोले 'प्रिय! जो मांगो वह वरदान मिले।'
तोता बोला, देव! कृपा से हरा-भरा यह ठूँठ खिले।।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

'तथास्तु' कहकर देवराज फिर दिए न कहीं दिखाई।
हरा-भरा वट वृक्ष हुआ फिर हरियाली लौट आई।।
जननी जन्मभूमि की खातिर कितना मन बलिदानी।
मन-प्राणों में जगी रहे, तोते की यह अमर कहानी।

(क) इस काव्यांश में कौन-सा वृक्ष सूख गया है?

(*i*) वट वृक्ष (*ii*) आम वृक्ष (*iii*) नीम वृक्ष (*iv*) पीपल वृक्ष

(ख) तोते ने कहाँ जन्म लिया था?

(*i*) नीम के वृक्ष के कोटर में (*ii*) वट के वृक्ष के कोटर में
(*iii*) आम के वृक्ष के कोटर में (*iv*) पीपल के वृक्ष के कोटर में

(ग) तोता अपने कर्तव्य के बारे में किससे कहता है?

(*i*) देवराज से (*ii*) पृथ्वी से (*iii*) आकाश से (*iv*) प्रकृति से

(घ) इंद्रदेव ने खुश होकर क्या कहा?

(*i*) सोच रहे हो क्या मन में? (*ii*) तुमने पंख न खोले
(*iii*) प्रिय! जो मांगो वह वरदान मिले (*iv*) मैंने कोटर में जन्म लिया

(ङ) अंत में देवराज क्या कहकर दिखाई नहीं दिए?

(*i*) तथास्तु (*ii*) खुश रहो (*iii*) अस्तु (*iv*) वरदान मांगो

02. देशप्रेम के ओ मतवालो! उनको भूल न जाना।
महाप्रलय की अग्नि साथ लेकर जो जग में आए,
विश्वबली शासन के भय जिनके आगे मुरझाए,
चले गए जो शीश चढ़ाकर, अर्घ्य लिए प्राणों का -
चलें मज़ारों पर हम उनके प्रदीप जलाएँ।
जीत गए हम जीता विद्रोही अभिमान हमारा,
प्राणदान-विक्षुब्ध तरंगों को मिल गया किनारा।
उदित हुआ रवि स्वतंत्रता का व्योम उगलता जीवन,
आज़ादी की आग अमर है घोषित करता कण-कण।
झंझा तूफ़ानों ने जिस दृढ़ता का लोहा माना -
देशप्रेम के मतवालो! उनको भूल न जाना।

(क) देशप्रेम के मतवाले जग में साथ क्या लेकर आए हैं?

(*i*) महाप्रलय की अग्नि (*ii*) ईश्वर की भक्ति (*iii*) पेड़-पौधे (*iv*) देशप्रेम की अग्नि

(ख) देश प्रेम के मतवालों ने किसका अर्घ्य दिया था?

(*i*) सितारों का (*ii*) जल का (*iii*) प्राणों का (*iv*) दीपों का

(ग) कवि मज़ारों पर क्या जलाने के लिए कह रहा है?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(*i*) प्रदीप (*ii*) प्राण
(*iii*) लकड़ी (*iv*) अगरबत्ती

(घ) इस काव्यांश में क्या उदित हुआ है?
(*i*) रवि स्वतंत्रता का (*ii*) रवि देशप्रेम का
(*iii*) रवि महाप्रलय का (*iv*) रवि विश्वविजय का

(ङ) कवि ने 'आज़ादी की आग' को कैसा बताया है?
(*i*) स्वतंत्र (*ii*) अमर (*iii*) महाबली (*iv*) प्रलयंकारी

03. जिसकी रज में लोट-लोटकर बड़े हुए हैं,
घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं।
परमहंस-सम बाल्यकाल में सब सुख पाए,
जिसके कारण धूल-भरे हीरे कहलाए।
हम खेले-कूदे हर्ष-युक्त जिसकी प्यारी गो में।
हे मातृभूमि! तुझको निरख मग्न क्यो न हों मोद में!
निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है,
शीतल मंद सुगंध पवन ही लेता श्रम है।
षट् ऋतुओं का विविध दृश्ययुत अद्भुत क्रम है,
हरियाली का फ़र्श नहीं मखमल से कम है।
शुचि सुधा सींचता रात में, तुझ पर चंद्र प्रकाश है।
हे मातृभूमि! दिन में तरणि करता तम का नाश है।

(क) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों में कवि ने मातृभूमि के प्रति प्रेम का क्या कारण बताया है?
(*i*) मातृभूमि हमें जीवन देती है (*ii*) यह समस्त सुखों की दात्री है
(*iii*) इसकी धूल में सनकर हम बड़े हुए हैं (*iv*) उपर्युक्त सभी

(ख) कवि ने धूल-भरे हीरे किसे कहा है?
(*i*) धूल में खेलते हुए बच्चे (*ii*) खेत में लहलहाती फसलें
(*iii*) कोयले की खान में मिलने वाले हीरे (*iv*) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ग) मातृभूमि के जल की तुलना किसके साथ की गई है?
(*i*) शर्बत से (*ii*) दवा से
(*iii*) अमृत से (*iv*) दूध से

(घ) कवि ने मखमल के समान किसे कहा है?
(*i*) विभिन्न ऋतुएँ (*ii*) हरी घासयुक्त धरती
(*iii*) मनुष्य का स्वभाव (*iv*) कपड़ा

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(ङ) यहाँ बहने वाली वायु की क्या विशेषता है?

(*i*) ठंड़ी और तेज़ (*ii*) सभी प्रकार की थकान को दूर करने वाली
(*iii*) गर्म और धीमी (*iv*) सब कुछ उड़ा कर ले जाने वाली

04. "दो न्याय अगर तो आधा दो,
पर इसमें भी यदि बाधा हो,
तो दे दो केवल पाँच ग्राम,
रखो अपनी धरती तमाम।
हम वहीं ख़ुशी से खाएँगे,
परिजन पर असि न उठाएँगे।"
दुर्योधन वह भी दे न सका,
आशीष समाज की ले न सका
उलटे, हरि को बाँधने चला
जो था असाध्य, साधने चला।
जब नाश मनुज पर छाता है,
पहले विवेक मर जाता है।

(क) न्याय पूर्वक कृष्ण ने कितना राज्य माँगा?

(*i*) आधा (*ii*) चौथाई (*iii*) पूरा (*iv*) तिहाई

(ख) कृष्ण ने कितने गाँव माँगे?

(*i*) तीन (*ii*) छः (*iii*) आठ (*iv*) पाँच

(ग) दुर्योधन समाज से क्या नहीं ले सका?

(*i*) जय-जयकार (*ii*) प्रेम (*iii*) आशीष (*iv*) समृद्धि

(घ) दुर्योधन किसको बाँधने चला था?

(*i*) प्रेम को (*ii*) अर्जुन को (*iii*) हरि को (*iv*) भीम को

(ङ) नाश के समय मनुष्य का क्या मर जाता है?

(*i*) कुशलता (*ii*) विवेक (*iii*) भावना (*iv*) बुद्धि

Downloaded from www.studiestoday.com